NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 15 अंकः 05 लखनऊ, रविवार 24 अगस्त 2025 मूल्यः 02 रुपये पृष्ठ- 08

रेल नेटवर्क से जुड़ने जा रहा मिजोरम, 13 सितंबर को बैराबी-सैरंग लाइन का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 सितंबर को बाराबी–सैरांग रेलवे लाइन का उद्घाटन करेंगे, जो राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। इस उद्घाटन के साथ, मिजोरम की राजधानी आइजोल आखिरकार भारत के रेलवे मानचित्र पर अपनी जगह बना लेगी। सैरांग स्टेशन राजधानी आइजोल के पास स्थित है।

एक ऐतिहासिक कदम के तहत मिजोरम जल्द ही आजादी के बाद पहली बार रेल सेवाओं की शुरुआत का गवाह बनेगा। मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने घोषणा की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 सितंबर को बाराबी–सैरांग रेलवे लाइन का उद्घाटन करेंगे, जो राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। इस उद्घाटन के साथ, मिजोरम की राजधानी आइजोल आखिरकार भारत के रेलवे मानचित्र पर अपनी जगह बना लेगी। सैरांग स्टेशन राजधानी आइजोल के पास स्थित है। शुक्रवार को आइजोल में एक कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री ने पुष्टि की कि प्रधानमंत्री मोदी 12 सितंबर को आइजोल पहुँचेंगे और रात्रि विश्राम करेंगे। 13 सितंबर को मोदी नई रेल लाइन का उद्घाटन करेंगे। लालदुहोमा ने आगे बताया कि उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ प्रधानमंत्री के दौरे पर चर्चा की है। उन्होंने सैरंग स्टेशन को विश्वस्तरीय सुविधा केंद्र बनाने की योजना का भी खुलासा किया, जहाँ से राजधानी एक्सप्रेस जैसी सेवाएँ चलाई जाएँगी।अधिकारियों के अनुसार, 51.38 किलोमीटर लंबी यह रेल लाइन केंद्र सरकार की ष्एक्ट ईस्टष नीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र में कनेक्टिविटी और आर्थिक एकीकरण को बढ़ाना है। यह नई रेल लाइन आइजोल को असम के सिलचर से जोड़ेगी और इसके विस्तार से, मिजोरम को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क के माध्यम से देश के बाकी हिस्सों से जोड़ेगी। इस परियोजना को एक उल्लेखनीय इंजीनियरिंग उपलब्धि माना जा रहा है, जिसमें 12.8 किलोमीटर लंबी 48 सुरंगें, 55 बड़े पुल और 87 छोटे पुल शामिल हैं। सबसे ऊँचा पुल, जिसकी संख्या 196 है, 104 मीटर ऊँचा है, जो कुतुब मीनार की ऊँचाई से भी ऊँचा है। आईआरसीटीसी और मिजोरम सरकार का सहयोग

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने मिजोरम सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस महीने की शुरुआत में हुए इस समझौते का उद्देश्य राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देना है। इस समझौते के तहत, आईआरसीटीसी एक मार्केटिंग एजेंसी के रूप में काम करेगी, जबकि मिजोरम सरकार मिजोरम पर्यटन लॉज सहित पर्यटन के बुनियादी ढाँचे तक पहुँच प्रदान करेगी। दोनों पक्ष क्षेत्र में पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से ष्क्यूरेटेड ट्रैवल पैकेजष विकसित करने पर सहयोग करेंगे।

जनता को मिले त्वरित न्याय, तभी आएगा सुशासन, सीएम योगी ने दिया मंत्र

लखनऊ मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अपने 102 वर्षों के इतिहास में, उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ ने अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। यहाँ उपस्थित न्यायिक अधिकारी एकता, आपसी सहयोग और व्यावसायिक दक्षता के प्रमाण हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ के 42वें सम्मेलन में भाग लिया और इस बात पर जोर दिया कि अगर देश को सुशासन का लक्ष्य हासिल करना है, तो न्याय को सुलभ और त्वरित बनाना होगा। समारोह को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या के मामले में देश का सबसे बड़ा उच्च न्यायालय है और सभी उच्च न्यायालयों में कार्यरत न्यायाधीशों की संख्या भी सबसे अधिक है।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अपने 102 वर्षों के इतिहास में, उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ ने अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। यहाँ उपस्थित न्यायिक अधिकारी एकता, आपसी सहयोग और व्यावसायिक दक्षता के प्रमाण हैं। मैं इस अवसर पर आप सभी का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। यह गर्व की बात है कि देश का सबसे बड़ा उच्च न्यायालय हमारे राज्य में स्थित है। मुख्यमंत्री योगी ने आगे रेखांकित किया कि हर स्तर पर सामूहिक प्रगति राष्ट्रीय विकास में योगदान देती है।उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के लोगों को एक विकसित भारत के संकल्प के साथ एकजुट किया है। अगर हम राज्य में काम कर रहे हैं, तो एक विकसित उत्तर प्रदेश, एक विकसित भारत में योगदान देगा। अगर हम जिले में काम कर रहे हैं, तो एक विकसित जिला, एक विकसित उत्तर प्रदेश में योगदान देगा। अगर हमें सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करना है, तो हमें न्याय को सुलभ और त्वरित बनाना होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ को 50 करोड़ रुपये की निधि प्रदान करने की भी घोषणा की। इससे पहले गुरुवार को, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए और ष्बाबूजीष को श्रद्धांजलि अर्पित की, साथ ही स्वास्थ्य मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल की भी प्रशंसा की। आदित्यनाथ ने यहाँ तीसरे शहिंदू गौरव दिवसश समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ष1977 में स्वास्थ्य मंत्री के रूप में और 1990 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में, बाबूजी ने दिखाया कि कैसे राज्य में सुशासन लाया जा सकता है और कैसे यहाँ कानून का राज स्थापित किया जा सकता है। अपने छोटे से कार्यकाल में, उन्होंने दिखाया कि कैसे विरासत और विकास एक साथ रह सकते हैं।

मुंबई–कुशीनगर एक्सप्रेस में मचा हड़कंप, एसी कोच के बाथरूम से मिला 8 साल की बच्ची का शव

एक हैरान करने वाली घटना में शनिवार को कुशीनगर एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 22537) के एसी कोच ठ2 के बाथरूम में कूड़ेदान में 8 साल की एक बच्ची का शव मिला। घटना रात करीब 1 बजे सामने आई। यह ट्रेन, जो बाद में काशी एक्सप्रेस (15017) के नाम से रवाना हुई, मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस पर सफाई के दौरान सफाई कर्मचारियों को शव मिला। अधिकारियों को तुरंत रात 1रू50 बजे सूचित किया गया और अधिकारी फिलहाल घटना की जाँच कर रहे हैं।राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बच्चे को गुजरात के सूरत से अगवा कर उसकी हत्या करने का संदेह है। कथित तौर पर अपराधियों ने शव को कोच के कूड़ेदान में फेंककर अपराध छिपाने की कोशिश की। पुलिस पीड़ित परिवार से संपर्क कर और जानकारी जुटाने और बच्चे की पहचान की पुष्टि करने की कोशिश कर रही है। मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अधिकारियों ने इस क्रूर अपराध के दोषियों का पता लगाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। फोरेंसिक टीमें और रेलवे सुरक्षाकर्मी भी जाँच में लगे हुए हैं, और आगे की जानकारी का इंतजार है। वहीं, मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 से शुक्रवार देर रात एक साल की बच्ची का अपहरण कर लिया गया, जब उसके माता–पिता और भाई–बहन सो रहे थे।

रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय, देहरादून "दीक्षारंभ" छः दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम में नवप्रवेशी छात्रों का भव्य स्वागत

विजडम इंडिया।

देहरादून, 23 अगस्त। रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय, देहरादून में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागतार्थ आयोजित छह दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षिक कार्यप्रणाली, नियम–कायदों, सांस्कृतिक–सामाजिक मूल्यों और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका से अवगत कराना रहा।

दीक्षारंभ का औपचारिक उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डाक्टर हिमांशु ऐरन एवं अन्य अधिकारियों द्वारा प्रज्वलित करके हुआ। नर्सिंग छात्रों की सरस्वती वंदना और बीएनवाईएस छात्रों की गणेश वंदना ने वातावरण को भक्ति और उत्साह से भर दिया।

इस अवसर पर सुभारती समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. अतुल कृष्ण द्वारा स्थापित मूल्यों से विद्यार्थियों को परिचित कराते हुए बताया गया कि –

"शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मानवता, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ प्रगति की राह पर अग्रसर होना है। हमें ऐसे युवा तैयार करने हैं जो ज्ञान के साथ–साथ चरित्र और सेवा भावना में भी श्रेष्ठ हों।"

कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन ने अपने संबोधन में कहा ।

"सुभारती विश्वविद्यालय का ध्येय केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं है, बल्कि प्रत्येक छात्र को अनुशासन, चरित्र और समाज सेवा की भावना से परिपूर्ण करना है। शिक्षा तभी सार्थक है जब वह राष्ट्र के उत्थान में योगदान दे।"

ट्रस्टी श्री यशवर्धन ने छात्रों को आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय उनके सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध है।

सुश्री लीनी बाबू प्रोजेक्ट डायरेक्टर, जीवरक्षा ने "साइबर एथिक्स एवं युवा संबंध" विषय पर उत्कृष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय का पीपीटी प्रेजेंटेशन हुआ।

छात्रों को विश्वविद्यालय के नियमों और अनुशासन संबंधी दिशा–निर्देशों की विस्तृत जानकारी शिक्षा विभाग की प्रोफेसर डॉ. सारिका मित्तल ने दी। उन्होंने विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक अनुशासन बल्कि व्यवहारगत जिम्मेदारियों से भी अवगत कराया। इसी क्रम में एन.एस.एस. (नेशनल सर्विस स्कीम) के उद्देश्य, गतिविधियों और विद्यार्थियों की सामाजिक भागीदारी की भूमिका पर मिस्टर प्रदीप मेहरा ने विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन किया। वहीं आर. एन. देशवाल ने स्काउट एंड गाइड के महत्व, उसके अनुशासन, सेवा भाव और नेतृत्व क्षमता विकसित करने वाले पहलुओं पर छात्रों को प्रेरणादायक जानकारी प्रदान की।

अनुशासन और उच्च शिक्षा की दिशा

मेजर जनरल (से.) जी. के. थपलियाल ने विद्यार्थियों को अनुशासन और राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया। उन्होंने कहा –

"अनुशासन ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। एक अनुशासित विद्यार्थी न केवल अपने जीवन में श्रेष्ठता प्राप्त करता है, बल्कि समाज और राष्ट्र के उत्थान में भी योगदान देता है। युवाओं को चाहिए कि वे समय का सदुपयोग करें, अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहें और राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाएँ। आज का अनुशासन ही कल का नेतृत्व तय करता है।"

प्रो. कमल किशोर पांडे पूर्व निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखंड ने उच्च शिक्षा की बदलती संभावनाओं और विद्यार्थियों की जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा –

"आज उच्च शिक्षा का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों को केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें शोध, नवाचार और उद्यमिता की ओर भी अग्रसर होना चाहिए। ज्ञान का वास्तविक मूल्य तभी है जब वह समाज की समस्याओं का समाधान करे। हर छात्र को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह शिक्षा से समाज और राष्ट्र को नई दिशा देने वाला सशक्त नागरिक बने।"

डॉ. हंस राज प्रेम सचदेव ने छात्रों को आत्मनिर्भरता और जीवन के वास्तविक उद्देश्यों का मंत्र दिया।

सुश्री संवेदना शुक्ला, प्रख्यात क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट, ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और सकारात्मक सोच का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि –

"संतुलित मन और आत्मविश्वास ही हर विद्यार्थी को जीवन की चुनौतियों में सफलता दिलाता है।"

श्री मुकेश,विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा एवं खेल ने फिटनेस और खेलों के महत्व पर जोर दिया।

श्री गौरव बहुगुणा ने परीक्षा प्रणाली से छात्रों को अवगत कराया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में नर्सिंग छात्रों का गढ़वाली नृत्य विशेष आकर्षण रहा। कैंपस भ्रमण और समापन

छठे दिन छात्रों को विश्वविद्यालय कैंपस का भ्रमण कराया गया, जिसमें प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय, खेल परिसर, अनुसंधान केंद्र और छात्रावास शामिल थे। छात्रों ने विश्वविद्यालय की अत्याधुनिक सुविधाओं को देखकर गर्व और उत्साह व्यक्त किया।

समापन अवसर पर कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन ने प्रेरणादायी संबोधन देते हुए कहा –

"दीक्षारंभ मात्र औपचारिक कार्यक्रम नहीं है, यह छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। हमारा संकल्प है कि यहाँ का प्रत्येक विद्यार्थी अनुशासन, नैतिकता और राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण होकर आगे बढ़े।"

इसके पश्चात डॉ. मनमोहन गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

प्रत्येक विभाग ने अपनी शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों का परिचय प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विभिन्न विभागों द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी, लघु फिल्में, डॉक्यूमेंट्री और नाट्य मंचन आयोजित किए गए, जिन्होंने विद्यार्थियों की सृजनात्मकता को उजागर किया।

राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला

छह दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को न केवल विश्वविद्यालय जीवन से परिचित कराया, बल्कि उन्हें जीवन मूल्यों, सृजनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का पाठ भी पढ़ाया।

सुभारती समूह के संस्थापक डॉ. अतुल कृष्ण की राष्ट्रप्रेम और मानवता पर आधारित शिक्षा–दृष्टि तथा कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन का प्रेरणादायी नेतृत्व विश्वविद्यालय को एक विशिष्ट पहचान देता है।

रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाला संस्थान नहीं, बल्कि राष्ट्र के भावी नेतृत्वकर्ताओं को गढ़ने वाली एक जीवंत प्रयोगशाला है।

कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन
"सुभारती विश्वविद्यालय का ध्येय केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं है, बल्कि प्रत्येक छात्र को अनुशासन, चरित्र और समाज सेवा की भावना से परिपूर्ण करना है। शिक्षा तभी सार्थक है जब वह राष्ट्र के उत्थान में योगदान दे।"

मेजर जनरल (से.) जी के थपलियाल
"अनुशासन ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। एक अनुशासित विद्यार्थी न केवल अपने जीवन में श्रेष्ठता प्राप्त करता है, बल्कि समाज और राष्ट्र के उत्थान में भी योगदान देता है। युवाओं को चाहिए कि वे समय का सदुपयोग करें, अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहें और राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाएँ। आज का अनुशासन ही कल का नेतृत्व तय करता है।"

प्रो. कमल किशोर पाडे पूर्व निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखंड
"आज उच्च शिक्षा का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों को केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें शोध, नवाचार और उधमिता की ओर भी अग्रसर होना चाहिए। ज्ञान का वास्तविक मूल्य तभी है जब वह समाज की समस्याओं का समाधान करे। हर छात्र को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह शिक्षा से समाज और राष्ट्र को नई दिशा देने वाला सशक्त नागरिक बने।"

सुश्री संवेदना शुक्ला, प्रख्यात क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट
"संतुलित मन और आत्मविश्वास ही हर विद्यार्थी को जीवन की चुनौतियों में सफलता दिलाता है।"

डॉ. हंस राज प्रेम सचदेव

सुश्री लीनी बाबू प्रोजेक्ट डायरेक्टर, जीवरक्षा

रक्षाबंधन पर महिलाओं को मिली फ्री बस यात्रा की सौगात, परिवहन निगम ने बनाया रिकार्ड

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार ने विगत वर्षों की भांति इस बार भी रक्षाबंधन पर्व पर महिलाओं के लिए निशुल्क बस यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई। इस वर्ष यह सुविधा रिकॉर्ड 66 घंटे तक दी गई, जिसमें महिलाओं के साथ एक सहयात्री को भी मुफ्त यात्रा करने का अवसर मिला। प्रदेश सरकार की यह पहल महिलाओं, बहनों और बेटियों के सम्मान और सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया एक अत्यंत सराहनीय कदम साबित हुई।उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने इस अवसर पर कीर्तिमान स्थापित करते हुए बताया कि निगम की बसों से इस बार लगभग 63 लाख महिलाओं और 15 लाख सहयात्रियों ने मुफ्त यात्रा की। निगम ने लाखों बहनों को उनके भाइयों और परिवार तक सुरक्षित पहुंचाने का दायित्व बखूबी निभाया और रक्षाबंधन के इस पावन पर्व को सफल बनाने में अपनी पूरी भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर परिवहन निगम की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम न केवल महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा को नई दिशा देता है बल्कि समाज में सरकार की जनहितकारी सोच का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों की मेहनत और समर्पण की प्रशंसा की, जिन्होंने पूरे उत्साह और जिम्मेदारी के साथ रक्षाबंधन पर बसों का संचालन किया।रक्षाबंधन पर्व के दौरान परिवहन निगम ने प्रदेश के सभी 20 क्षेत्रों में कुल 11,813 बसों का संचालन किया। निगम ने बड़ी संख्या में बसों की उपलब्धता सुनिश्चित कर महिलाओं और उनके परिजनों को निर्बाध यात्रा की सुविधा दी। इस व्यापक प्रबंधन ने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी बहन अपने भाइयों तक राखी बांधने से वंचित न रहे।गौरतलब है कि वर्ष 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद पहली बार रक्षाबंधन पर महिलाओं को निशुल्क बस यात्रा की सुविधा दी गई थी। 24 घंटे तक लागू इस सुविधा की शुरुआत के साथ ही उत्तर प्रदेश ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बना। तब से अब तक यह परंपरा लगातार जारी है और समय के साथ इसमें विस्तार भी किया गया है। यही कारण है कि पिछले नौ वर्षों में इस सुविधा का लाभ लेने वाली महिलाओं की संख्या लगातार बढ़ती रही है।वर्ष 2017 में 11 लाख 16 हजार से अधिक महिलाओं ने इस योजना का लाभ उठाया था। वर्ष 2018 में यह संख्या बढ़कर 11 लाख 69 हजार से अधिक हो गई। वर्ष 2019 में 12 लाख से अधिक महिलाओं ने इसका लाभ लिया। कोविड काल के कारण 2020 और 2021 में संख्या कुछ घटी लेकिन इसके बावजूद क्रमशः 7 लाख 36 हजार और 9 लाख 63 हजार से अधिक महिलाओं ने मुफ्त बस सेवा का उपयोग किया। वर्ष 2022 में यह आंकड़ा 22 लाख से अधिक पर पहुंचा, जबकि 2023 में लगभग 29 लाख महिलाओं ने निशुल्क यात्रा की। 2024 में करीब 19 लाख 78 हजार महिलाओं ने इसका लाभ उठाया और इस वर्ष 2025 में तो रिकॉर्ड 63 लाख महिलाओं और 15 लाख सहयात्रियों ने इस योजना से लाभान्वित होकर नया इतिहास रच दिया।रक्षाबंधन पर मुफ्त बस यात्रा की यह पहल न सिर्फ महिलाओं के प्रति सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाती है बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि प्रदेश सरकार हर वर्ग तक त्योहारों की खुशियां सहज और सुरक्षित रूप से पहुंचाने के लिए कृतसंकल्प है।

गांवों में राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण बना रोजगार और सशक्तिकरण का जरिया, 45 हजार से अधिक पुरुष और 7 हजार महिला मिस्त्रियों को मिला हुनर

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व और निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें और अधिक कुशल, दक्ष और हुनरमंद बनाया जा रहा है। इस प्रशिक्षण से ग्रामीण मिस्त्रियों के लिए रोजगार के नए अवसर खुल रहे हैं और उनकी आय में बढ़ोतरी हो रही है। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना॒ग्रामीण और मुख्यमंत्री आवास योजना॒ग्रामीण के तहत बनाए जा रहे आवासों की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार हो रहा है।गांवों के पुरुषों के साथ–साथ अब महिलाएं भी 'रानी मिस्त्री' के रूप में घरों के निर्माण कार्य में हाथ बंटा रही हैं। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले पुरुष और महिलाएं सर्टिफिकेशन के बाद न केवल अपने गांवों में बल्कि बड़े निर्माण स्थलों और एजेंसियों में भी काम पा रहे हैं, जिससे उन्हें बेहतर मजदूरी और स्थायी रोजगार का अवसर मिल रहा है। ग्राम्य विकास विभाग का मानना है कि यह पहल ग्रामीण परिवारों के उत्थान और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में राजमिस्त्रियों की उपलब्धता से निर्माण कार्यों में तेजी आएगी। साथ ही यह योजना रोजगार सृजन का भी एक अहम माध्यम है। उन्होंने विशेष रूप से महिला मिस्त्रियों के प्रशिक्षण को उल्लेखनीय बताते हुए कहा कि यह महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।प्रधानमंत्री आवास योजना॒ग्रामीण के अंतर्गत 'रूरल मेसन ट्रेनिंग' कार्यक्रम को इसी उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत अब तक 45 हजार से अधिक पुरुष राजमिस्त्रियों और लगभग 7017 महिला मिस्त्रियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। प्रशिक्षण की प्रक्रिया में ग्रामीण क्षेत्रों के इच्छुक लोगों को चिन्हित किया जाता है। जो व्यक्ति पहले से राजगीरी का कार्य करते हैं, उन्हें 15 दिन का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि जिन लोगों को मिस्त्री का काम नहीं आता या वे बिल्कुल नए हैं, उन्हें 45 दिन का प्रशिक्षण देकर दक्ष बनाया जाता है। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के ग्रामीण राजमिस्त्री अर्हता पैक (क्यूपी) के अनुसार दिया जाता है।ग्राम्य विकास आयुक्त जी.एस. प्रियदर्शी ने जानकारी दी कि प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना॒ग्रामीण के तहत अब तक 36.56 लाख आवास आवंटित किए गए हैं, जिनमें से 36.34 लाख आवास पूर्ण हो चुके हैं। यह उपलब्धि लगभग 99.39 प्रतिशत की पूर्णता दर्शाती है।

जो इस योजना की सफलता और प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण आवास निर्माण की दिशा में उठाए गए कदमों का प्रमाण है।ग्रामीण राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण की यह पहल न केवल रोजगार और आय का साधन बन रही है, बल्कि यह गांव की महिलाओं को भी नई पहचान और आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बना रही है।

सरिया से लदा ट्रक गायब करने वाले गिरोह का वांछित सदस्य पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

लखनऊ(आरएनएस) पुलिस कमिश्नरेट की सुशांत गोल्फ सिटी थाना पुलिस ने सरिया से लदा ट्रक गायब करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किया गया आरोपी रमेश बाल्मीकि उर्फ छोटू पश्चिम बंगाल के पश्चिम वर्धमान जिले का रहने वाला है। वह लंबे समय से फरार चल रहा था और ट्रक गायब कर उसमें लदी सरिया बेचने की साजिश में शामिल था।प्रकरण की शुरुआत तब हुई जब वादी अजय कंसल, निवासी शिवबिहार कालोनी, जानकीपुरम ने 26 मई 2025 को थाने में तहरीर दी। उन्होंने बताया कि उनका ट्रक (नंबर ठ01ल–2250) चालक धनंजय ओझा के साथ 14 मई को बक्कास रेलवे स्टेशन के लिए निकला था, लेकिन वहां नहीं पहुंचा। मामले में मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू हुई। इस बीच पुलिस ने 7 जून को शमशेर नामक एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि अन्य की तलाश जारी थी।इसी कड़ी में पुलिस को सूचना मिली कि वांछित अभियुक्त रमेश बाल्मीकि अपने घर पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर क्षेत्र में मौजूद है। इसके बाद सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस और दुर्गापुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने दबिश देकर उसे 21 अगस्त की रात करीब 1रू10 बजे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के समय आरोपी पुलिस को देख भागने का प्रयास कर रहा था, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर दबोच लिया।गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। रमेश बाल्मीकि ने बताया कि मई महीने में ट्रक ड्राइवर और मालिक उसके होटल के सामने आए थे और सस्ते दामों पर सरिया बेचने का प्रस्ताव दिया था। आरोपी ने ट्रक वहीं खड़ा करा लिया और धीरे–धीरे उसमें लदी करीब 8.5 टन सरिया विभिन्न लोगों को बेच डाली। इस प्रक्रिया में उसे 3.5 लाख रुपये मिले, जिन्हें उसने ड्राइवर को नकद और ऑनलाइन दोनों तरीकों से दे दिया।पुलिस ने बताया कि आरोपी रमेश बाल्मीकि होटल संचालन का काम करता है, लेकिन अवैध गतिविधियों में संलिप्त होने की पुष्टि हुई है। उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। मामले में पहले गिरफ्तार किए गए शमशेर राम को पहले ही जेल भेजा जा चुका है, जबकि आरोपी नीतिश कुमार, गुलाबीराम और अन्य की तलाश अभी भी जारी है।सुशांत गोल्फ सिटी थाना पुलिस टीम ने इस गिरफ्तारी को दक्षिणी जोन लखनऊ पुलिस के सहयोग से अंजाम दिया। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है और जल्द ही पूरे गिरोह का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

पीडीए समाज के नेताओं ने सपा को दिया समर्थन, अखिलेश यादव बोलेह भाजपा लूट का गैंग

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पीडीए समाज के 65 से अधिक कार्यकर्ताओं और नेताओं ने शनिवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर मुलाकात की। इस दौरान सभी नेताओं ने 2027 के विधानसभा चुनाव में बिना शर्त समाजवादी पार्टी को समर्थन देने की घोषणा की।यह प्रतिनिधिमंडल सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी और अपनी जिन्दगी अपना दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरजीत सिंह खण्डसाल के नेतृत्व में लखनऊ पहुंचा। अलग–अलग जिलों में सक्रिय इन संगठनों के नेताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पीडीए की मजबूत भागीदारी समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने में योगदान करेगी।नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि भाजपा लूट का गैंग है, जिसने संस्थानों और संसाधनों पर कब्जा कर लिया है। भाजपा झूठ बोलकर जनता को गुमराह कर रही है और वोट की चोरी तक की है। उन्होंने आगामी चुनाव को संविधान और अधिकार बचाने का चुनाव बताते हुए कहा कि जनता को भाजपा के अन्याय और उत्पीड़न से मुक्ति दिलानी होगी।अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर सबको न्याय और सम्मान मिलेगा। रुके हुए विकास कार्य फिर शुरू होंगे। उन्होंने कहा कि केन्द्र और प्रदेश की भाजपा सरकारों ने सब कुछ बर्बाद कर दिया है। अर्थव्यवस्था बदहाल है, महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है, विदेश नीति विफल हो चुकी है। ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान सेना मजबूती से लड़ी, पीओके भी ले सकती थी, लेकिन केन्द्र सरकार की चूक ने अवसर गंवा दिया।उन्होंने चीन को देश की सीमा और बाजार के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण चीन भारत की जमीन पर अतिक्रमण कर रहा है और हमारे बाजार पर कब्जा जमा रहा है। खाद संकट को लेकर उन्होंने सरकार की तैयारियों पर सवाल उठाए और कहा कि किसानों को खाद के बदले लाठियां मिल रही हैं।

सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रही है। नौकरियां खत्म कर आउटसोर्सिंग और निजीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं, प्रदेश में स्कूल बंद किए जा रहे हैं जबकि शराब की दुकानों की संख्या बढ़ाई जा रही है, जो समाज और युवाओं के लिए विनाशकारी है।अखिलेश यादव ने समाजवादी सरकार के काम गिनाते हुए कहा कि सपा शासन में एक्सप्रेसवे, आईटी सिटी, मेट्रो रेल, रिवरफ्रंट, मंडियां और छात्रों को लैपटॉप जैसी योजनाएं लागू की गईं। आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे पर लड़ाकू विमान तक उतारे गए थे, लेकिन भाजपा सरकार विकास की इन योजनाओं को भी बिगाड़ चुकी है।

इस अवसर पर मौजूद नेताओं में सतीश भारतीय (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अपनी जिन्दगी अपना दल), राम आसरे पाल (प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्र उदय पार्टी), केवट राम धनी बिन्द (राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय मानव समाज पार्टी), देवशरण यादव (प्रदेश अध्यक्ष, पिछड़ा–दलित विकास महासंघ), जी.पी. जायसवाल (राष्ट्रीय अध्यक्ष, गांधीयन पीपुल्स पार्टी), साहू अक्षय भाई, राजीव रत्न कश्यप (राष्ट्रीय भागीदारी पार्टी), अब्दुल हलीम सलमानी, श्रीकान्त साहू, (अध्यक्ष, अति पिछड़ा समाज महासभा), चुन्नी लाल प्रजापति (राष्ट्रीय भागीदारी पार्टी), अमोद राठौर (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एवं ह्यूमन राइट काउंसिल), कांता गुप्ता साहू, डॉ. तेजपाल तोमर, शिवा गुप्ता, अभिषेक यादव, रीता गुप्ता आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

खाद संकट पर आम आदमी पार्टी का प्रदेशव्यापी प्रदर्शन, लखनऊ में जोरदार विरोध

लखनऊ(आरएनएस)। प्रदेशभर में खाद की भारी किल्लत ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। घंटों लाइन में लगने के बावजूद किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है। खेती के मौसम में इस संकट ने न केवल उनकी बोआई बाधित कर दी है बल्कि उनकी आजीविका पर भी गहरा असर डालना शुरू कर दिया है। इसी गंभीर मुद्दे पर आम आदमी पार्टी ने शनिवार को प्रदेश के सभी तहसील मुख्यालयों पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

राजधानी लखनऊ में जिला अध्यक्ष इरम रिजवी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य भवन चौराहा कैसरबाग पर प्रदर्शन किया और उसके बाद जिला अधिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रशासनिक अधिकारी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि योगी सरकार की लापरवाही ने किसानों की कमर तोड़ दी है और यह स्थिति सीधे–सीधे किसानों के साथ अन्याय है।जिला अध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि खेती का मौसम चल रहा है और किसानों को खाद उपलब्ध न कराना सरकार की घोर विफलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल बड़े उद्योगपतियों की जेब भरने में लगी है जबकि अन्नदाता बुनियादी सुविधा के लिए दर–दर भटकने को मजबूर है। यह आंदोलन सांसद और प्रदेश प्रभारी संजय सिंह के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश के तहसील मुख्यालयों पर एक साथ चलाया गया। रिजवी ने कहा कि यह शर्मनाक है कि किसान अपनी ही धरती पर अन्न उपजाने के लिए खाद जैसी आवश्यक वस्तु के लिए तरस रहे हैं।आम आदमी पार्टी ने मांग की कि सरकार किसानों को तत्काल पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाए और खाद वितरण प्रणाली में व्याप्त भ्रष्टाचार व कालाबाजारी पर रोक लगाई जाए। खाद वितरण की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। पार्टी ने यह भी मांग की कि खेती के मौसम को देखते हुए खाद संकट से जूझ रहे किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज घोषित किया जाए ताकि उनकी बोआई प्रभावित न हो।कार्यक्रम में निवर्तमान प्रदेश महासचिव दिनेश पटेल, इमरान लतीफ, नूर सिद्दीकी, इस्मा जाहिर, प्रितपाल सलूजा, बी.एन. खरे, अतुल सिंह, ज्ञान सिंह कुशवाहा, बलराम साहनी, प्रियंका श्रीवास्तव, माजिद, विनोद कुमार, साहिल अंसारी, मनीष भारद्वाज, डॉली मोहन, मनोज मिश्रा, पी.के. बाजपेई, अनिल जैन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे।

नगर पालिका कुशीनगर के भ्रष्टाचार की एक और खुली पोल, जांच का आदेश

कुशीनगर, जनपद के नगर पालिका परिषद कुशीनगर में ईओ अंकिता शुक्ला के भ्रष्टाचार का मामला ठंडा भी नहीं हुआ है कि आचार संहिता में सोलर बैट्री खरीदारी करके आर्दश आचार संहिता का उल्लंघन कर सरकारी खजाने का बंदरबांट किये जाने मामला चर्चा में है। चर्चा कि वजह है भाजपा सोशल मीडिया के संयोजक शुभम दीक्षित,ने इस मामले का खुलासा किया। इनके शिकायत पर अपर जिलाधिकारी ने कसया एसडीएम को जांच कर आख्या प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। अपर जिलाधिकारी द्वारा उप जिलाधिकारी कसया को जारी पत्र संख्या 407 ए ल बी सी ६ 25 – 26 दिनांक–12अगस्त–2025 में भाजपा सोशल मीडिया के जिला संयोजक शुभम दीक्षित के शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जांच कर शीघ्र आख्या प्रस्तुत करने का निर्देश दिया दिया। भाजपा सोशल मीडिया के जिलाध्यक्ष शुभम दीक्षित द्वारा नगर पालिका परिषद कुशीनगर के जिम्मेदारो के खिलाफ अपर जिलाधिकारी कुशीनगर को दिये गये शिकायती पत्र मे कहा गया है कि लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 चुनाव के दरम्यान आदर्श आचार संहिता की धज्जियाँ उड़ाते हुए जैम पोर्टल पर टेण्डर का प्रकाशन किये बैगर समाचार पत्रों मे गोपनीय टेण्डर निकालकर 70 सोलर बैट्री की खरीदारी की गयी है। सूत्र बताते है कि यह कार्य नगर पालिका परिषद कुशीनगर के तत्कालीन अधिशासी अधिकारी शैलेन्द्र कुमार मिश्र व अध्यक्ष के मिलीभगत से किया गया। हालाकि शिकायत पत्र मे शुभम ने सिर्फ तत्कालीन ईओ को ही जिम्मेदार ठहराया है लेकिन जानकारों का कहना है कि टेण्डर निकालने से लेकर ठेका देने और भुगतान तक की सभी प्रक्रिया मे अध्यक्ष और ईओ की भूमिका बराबर की होती है।

इनसेट— बिना जेम पोर्टल पर अपलोड किये प्रादेशिक अखबारो में निकाल दिया टेण्डर— शिकायतकर्ता शुभम दीक्षित ने अपने शिकायत मे यह भी कहा है कि आदर्श आचार संहिता मे प्रादेशिक समाचारपत्रो मे टेण्डर निकाल कर खरीदारी करके न सिर्फ आदर्श आचार संहिता की खुलेआम धज्जियां उड़ाई गयी है बल्कि टेण्डर को जेम पोर्टल पर अपलोड न करना भ्रष्टाचार का घोतक है। इसके पीछे अपने चेहतो से खरीदारी कराकर सरकारी धन का बंदरबांट करने की मंशा साफ झलक रही है जबकि कि नगर पालिका व नगर पंचायतो मे किसी भी टेण्डर को निकालने से पहले जनपद मे सर्वाधिक प्रसार वाले स्थानीय समाचार पत्र, सर्वाधिक प्रसार वाले प्रादेशिक अखबार व एक अंग्रेजी समाचार पत्र मे टेण्डर प्रकाशित के साथ जेम पोर्टल पर निविदा सूचना को अपलोड करना अनिवार्य है। किन्तु नगर पालिका कुशीनगर द्वारा अपने चहेतों को लाभ पहुंचाने की गरज से जिम्मेदारो ने गाइडलाइन को ताक पर रखकर सरकारी खजाने को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ा है। ज्ञातव्य हो कि नगर पालिका परिषद कुशीनगर में लगातार हो रहे भ्रष्टाचार के खुलासा के बावजूद जिम्मेदार बेखौफ है। वजह यह है कि नपाध्यक्ष किरन जायसवाल के पति सत्तादल के नेता है। सूत्रो का कहना है कि अध्यक्ष पति इस बात से बेफिक्र है कि उनकी सरकार में कोई उनका कुछ नही बिगाड़ सकता है अब देखना दिलचस्प है।

टीम ने जांची मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता

प्रयागराज में 10 स्कूलों का औचक निरीक्षण, कोई गड़बड़ी नहीं मिली

प्रयागराज(आरएनएस) जिलाधिकारी मनीष वर्मा के निर्देश पर मेजा क्षेत्र में परिषदीय स्कूलों के मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता जांच की गई। डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर गठित टास्क फोर्स ने यह निरीक्षण किया।

खंड विकास अधिकारी श्रुति शर्मा के नेतृत्व में टीम ने शनिवार को उरूवा ब्लॉक के विभिन्न स्कूलों का दौरा किया। इनमें अछोला, अमिलिया कला, बकचूंदा, बिगहनी, चौकी, चिलबिला, डोहरिया, बीरपुर पटखौली, कंजौली और गुरदत्तका पूरा स्कूल शामिल थे। मध्याह्न भोजन योजना के तहत स्कूली बच्चों को भोजन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी पंचायत प्रधान और प्रधानाध्यापक की है। निरीक्षण के दौरान सभी स्कूलों में भोजन की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाई गई। टास्क फोर्स की जांच में किसी भी स्कूल में मध्याह्न भोजन में कोई कमी या गड़बड़ी नहीं मिली। यह निरीक्षण नौनिहालों के स्वास्थ्य और सेहत को ध्यान में रखते हुए किया गया।

पेट्रोल पंप में हिस्सेदारी का झांसा देकर 54 लाख की ठगी, जानकीपुरम पुलिस ने आरोपी को दबोचा

लखनऊ(आरएनएस) पुलिस कमिश्नरेट के जानकीपुरम थाना क्षेत्र में पेट्रोल पंप की साझेदारी दिलाने के नाम पर करोड़ों का फर्जीवाड़ा करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला उस समय सामने आया जब पीड़िता सुलक्षणा मिश्रा ने थाना जानकीपुरम में तहरीर दी कि आरोपी राम नारायण त्रिवेदी ने उन्हें और उनके पति को भारत पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड के पेट्रोल–डीजल पंप के लाइसेंस में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी दिलाने का झांसा दिया और इसके एवज में 54 लाख रुपये हड़प लिए। जब पीड़िता ने पैसे वापस मांगे तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई।पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा पंजीकृत किया और विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत मिलने पर मामले में गंभीर धाराओं की बढ़ोतरी की। जांच आगे बढ़ाते हुए थाना जानकीपुरम पुलिस की टीम ने उ0नि0 हेमेन्द्र सिंह के नेतृत्व में दबिश दी और आरोपी राम नारायण त्रिवेदी को सीतापुर के विजयलक्ष्मी नगर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी राम नारायण त्रिवेदी उम्र 63 वर्ष, मूल रूप से सीतापुर जिले के अढ़ावल खुर्द, मजलिसपुर का रहने वाला है और वर्तमान में विजयलक्ष्मी नगर, सीतापुर में रहता था।जानकीपुरम पुलिस के अनुसार आरोपी ने पेट्रोल पंप के लाइसेंस में हिस्सेदारी दिलाने के नाम पर पीड़ित परिवार से धोखाधड़ी की और रकम हड़प ली। उसके खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 108ध2025 धारा 351(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2), 61(2) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस आरोपी के अन्य आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है।गिरफ्तारी करने वाली टीम में व0उ0नि0 जितेन्द्र कुमार वर्मा, उ0नि0 हेमेन्द्र सिंह, म0उ0नि0 सुश्री शिवानी वर्मा और का0 गोविंद सिंह शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों से धोखाधड़ी करने वाले इस तरह के मामलों में और भी लोगों की संलिप्तता हो सकती है, जिसकी जांच जारी है।

ग्रापए व मेदांता हस्पिटल लखनऊ द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

विधायक कुशीनगर, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री, अध्यक्ष नपा पडरौना, पूर्व विधायक कुशीनगर ने संयुक्त रूप किया शिविर का किया उद्घाटन।

कुशीनगर। जनपद के पडरौना नगर स्थित उदित नारायण इंटरमीडिएट कॉलेज के सभागार में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन कुशीनगर व मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन विधायक कुशीनगर पीएन पाठक, राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त राजेश्वर सिंह, अध्यक्ष नपा पडरौना विनय जायसवाल, पूर्व विधायक कुशीनगर रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने दीप प्रज्वलित कर व मां सरस्वती का पूजन कर किया। शिविर में मेदांता हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ अमित कुमार, मार्केटिंग मैनेजर अमित वर्मा, टेक्निकल टीम ऋषभ पांडेय, जतिन पाल, सीमा गौरव, मनीष की टीम ने लोगों व पत्रकारों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण तथा जांच किया। जांच के दौरान हड्डी, शुगर, फेफड़े की जांच की गई। अतिथियों ने कहा कि निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करना पुनीत कार्य है। ऐसे आयोजनों के लिए बहुत–बहुत बधाई। ग्रापए के जिलाध्यक्ष शैलेश कुमार उपाध्याय ने आगंतुक सभी अतिथियों चिकित्सकों का स्वागत किया। कार्यक्रम में ग्रापए के प्रदेश उपाध्यक्ष ओमप्रकाश द्विवेदी ने आयोजन की सराहना किया। इस दौरान प्राचार्य यूएनपीजी प्रो ममता मणि त्रिपाठी, यूएनआईसी अरविंद सिंह, डॉक्टर सुनीता पांडेय, मीनू जिंदल, पप्पू पांडेय, दीप नारायण अग्रवाल, संजय मरोडिया, पत्रकारों में अमरनाथ पांडेय, सुरेंद्र राय, महेंद्र पांडेय, फणेंद्र पांडेय, राजकुमार चौबे, हरिशंकर चौबे, पारसनाथ पांडेय, प्रभुनाथ गुप्ता, नर्मदा सिंह, सतीश चंद दुबे, सत्येंद्र पांडेय, मुकेश नाथ तिवारी, मनोज मिश्रा, दुर्गा दयाल तिवारी, संगम पांडेय, आदित्य गुप्ता, अंजनी सिंह, विशाल राव, अजय सिंह, चंद्रशेखर दीक्षित, राजीव यादव, महेश यादव, राजीव गुप्ता, श्रीप्रकाश तिवारी, हरिओम तिवारी, कृष्णानंद खरवार, केएम मिश्रा, ओम प्रकाश पांडेय, अशोक शुक्ला,आरके भट्ट, विश्व रंजन आनंद, विवेकानंद शुक्ला सहित तमाम पत्रकार व गणमान्य उपस्थित रहे।

वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के तहत बैंक अरुफ बड़ौदा सुलतानपुर व वाराणसी कार्यालय द्वारा जन सुरक्षा संतृप्ति कार्यशाला का किया गया आयोजन।

सुलतानपुर वत्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के तहत बैंक ऑफ बड़ौदा सुलतानपुर व वाराणसी कार्यालय द्वारा ग्राम पंचायत स्तरीय तक पहुंच बनाने हेतु जन सुरक्षा संतृप्ति शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार श्री एम. नागराजू द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. देबदत्त चांद, महाप्रबंधक विमल कुमार नेगी, अंचल प्रमुख शैलेन्द्र कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक, प्रशिक्षु आईएएस रिदम आनन्द सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण एवं बैंक ऑफ बड़ौदा समूह के अधिकारीध्कर्मचारीगण, स्वयं सहायता समूह के सदस्य आदि मौजूद रहे। मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा मुख्य अतिथि सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार का पुष्पगुच्छ व ओ.डी.ओ.पी. उत्पाद मोमेंटो देकर स्वागत किया गया। पल्लवी नाट्य संस्थान के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

तत्पश्चात कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर मुख्य अतिथि वित्त मंत्रालय के सचिव एम. नागराजू ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य वित्तीय समावेशन योजनाओं पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई, पीएमजेडीवाई, खाता खोलने, नामांकन के महत्व, पुनः—केवाईसी और डिजिटल धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए सुरक्षित बैंकिंग प्रथाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना है। उन्होंने कहा कि बैंकिंग सेवाओं तक निर्बाध पहुंच और धोखाधड़ी की रोकथाम सुनिश्चित करने के लिए समय—समय पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। उन्होंने कहा कि जनधन खातों के अन्तर्गत बहुत बड़ी संख्या में अभी तक लोगों द्वारा ईकेवाईसी व नॉमिनी आदि का अंकन नहीं किया गया है। कार्यशाला के माध्यम से वित्तीय समावेशन का जनजागरूकता अभियान चलाकर आम जनमानस तक बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाना है तथा लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। वित्त सचिव महोदय ने बताया कि इस शिविर के माध्यम से अब तक देश की 60 प्रतिशत ग्राम पंचायतों को कवर कर

लिया गया है, अब तक 21 लाख लोगों का प्रधानमंत्री जनधन खाता खुल चुका है, 23 लाख लोग पीएम जीवन सुरक्षा योजना, 40 लाख लोग प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं 8.5 लाख लोग अटल पेंशन योजना का लाभ ले रहे है। मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा अपने सम्बोधन में सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित समस्त जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ बैंकों के माध्यम से लोगों तक उपलब्ध कराया जाता है। यहां उपस्थित सभी बैंकों के प्रतिनिधियों द्वारा बैंकिंग सम्बन्धी समस्त सुविधाएं निचले स्तर तक लोगों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय। वित्तीय समावेशन कार्यशाला में बड़ी संख्या में समूह की महिलाओं व् बी.सी. सखियों ने भागीदारी की, मुख्य अतिथि महोदय द्वारा पात्र लाभार्थियों– सीमा देवी को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, किरन देवी, मुफीद अहमद, दीपक कुमार, अजीत कुमार मिश्रा को पीएमजेजेबीवाई योजनान्तर्गत 2–2 लाख रुपये का चेक वितरित किया गया। इसी प्रकार राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत संचालित स्वयं सहायता समूह– प्रधान महिला जय बजरंगबली, शिव शक्ति, मॉ काली प्रेरणा को 6–6 लाख रुपए का चेक वितरित किया गया।

'खाद संकट को लेकर कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन,सौंपा ज्ञापन'

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जनपद में खाद संकट, कालाबाजारी और किसानों की समस्याओं को लेकर शनिवार को कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा के नेतृत्व में जिला व शहर कांग्रेस कमेटी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए जिला कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक मार्च निकाला। कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट पर घंटों विरोध–प्रदर्शन के बाद उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।ज्ञापन में किसानों को यूरिया–डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित करने, खाद की कालाबाजारी रोकने वाले दुकानदारों पर कठोर कार्रवाई, किसानों को मुफ्त सिंचाई हेतु बिजली उपलब्ध कराने और शहर में विद्यालयों की छुट्टी के समय लगने वाले जाम से निजात दिलाने की मांग की गई।कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों की समस्याओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर रही है। किसान समितियों पर सुबह से लाइन में लगे रहते हैं लेकिन उन्हें खाद नहीं मिलती। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही खाद की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हुई और कालाबाजारी पर अंकुश नहीं लगाया गया तो कांग्रेस बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगी।शहर कांग्रेस अध्यक्ष शकील अंसारी ने भाजपा सरकार को किसान विरोधी बताते हुए कहा कि किसानों को खाद–पानी–बिजली देने की बजाय लाठियां दी जा रही हैं, जो बेहद निंदनीय है। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे एआईसीसी सदस्य बीपी सिंह ने कहा कि भाजपा को किसानों की याद सिर्फ चुनाव के समय आती है, चुनाव बाद किसानों के हित भुला दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा किसानों की लड़ाई लड़ती आई है और आगे भी लड़ती रहेगी।इस मौके पर निकलेश सरोज, स्वेच्छा सिंह, नफीस फारूकी, मनोज तिवारी, किसान कांग्रेस अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह, सलाहुद्दीन हाशमी, अपरबल सिंह, रियाज अहमद, अरुण त्रिपाठी, अतहर नवाब, ओम प्रकाश त्रिपाठी, मोहम्मद अनवर, असलम अंसारी,

आवेश अहमद, सुब्रत सिंह, ममनून आलम, अनवर हुसैन, उमाकांत त्रिपाठी, विनय त्रिपाठी, नंद लाल मौर्या, विभु पांडेय, हर्ष नारायण शुक्ला समेत सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मेरठ विकास प्राधिकरण में चल रहा खुला पैसों का खेल

मेरठ विकास प्राधिकरण जॉन ए 3 में अभियंता महादेव शरण द्वारा चलवाए जा रहे हजारों से भी अधिक अवैध कोमर्शियल निर्माण

जो सभी अस्वीकृत तरीके से बनाए जा रहे जिन पर ना कोई अभियंता द्वारा कार्रवाई की जा रही है ना उन्हें सील किया जा रहा है अभियंता अपनी जेब भरने में लगे हुए हैं निर्माण कर्ताओं द्वारा साफ कहा जाता है की एमडीए के सुपरवाइजर हमसे पैसा ले जा चुके हैं अब हमारे निर्माण पर कोई भी कार्रवाई नहीं होगी एक ऐसी ही 300 गज के आसपास तैयार हो रही अवैध कोमर्शियल फैक्ट्री का निर्माण मदीना कॉलोनी 60 फुटा रोड नियर नूर नगर लिसाड़ी रोड में बन रही है अब देखना यह है खबर प्रकाशित होने के बाद अभियंता महादेव शरण द्वारा इस फैक्ट्री को कब तक सील सेल किया जाता है या यूं ही उत्तर प्रदेश सरकार की राजस्व की चोरी होती रहेगी अगर जोन ए 3 के निर्माण को की कंपाउंडिंग कराई जाए तो सरकार को करोड़ों रुपए के राजस्व कोई प्राप्ति हो सकती है मगर ऐसा होने से अभियंता कुबेर पति कैसे बनेंगे यह एक जांच का विषय है। संवाददाता – चिनु चौधरी

संस्कृति बोध परियोजना के अन्तर्गत महासम्पर्क अभियान का हुआ उद्घाटन

सुल्तानपुर(आरएनएस)। सरस्वती विद्या मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ज्ञान कुंज विवेकानन्द नगर सुल्तानपुर में संस्कृति बोध परियोजना के अन्तर्गत महासम्पर्क अभियान का उद्घाटन करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी ने संस्कृति बोध परियोजना के महत्व पर प्रकाश डाला। तथा उसे एक महान् पुनीत कार्य बताते हुए,समाज में

सनातन संस्कृति को जन–जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने उद्घाटन सत्र में उपस्थित आचार्य बन्धु भगिनी एवं भैया बहनों से आग्रह किया कि इस महा यज्ञ को सम्पन्न कराने में आप सभी लोग अपना–अपना योगदान सुनिश्चित करें । संस्कृति बोध परियोजना प्रमुख रणविजय सिंह ने संस्कृति बोध परियोजना के सन्दर्भ में संचालित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रुपरेखा प्रस्तुत की।इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य रवीन्द्र तिवारी संस्कृति बोध परियोजना के अन्य सहयोगी आचार्य राजबहादुर शर्मा, अनिल पाण्डेय, महेश शुक्ल, श्रद्धा सिंह, शशी द्विवेदी, ज्योति त्रिपाठी,शोभा रानी, सीमा यादव, आरती जी समेत परियोजना के विविध कार्यक्रमों के प्रमुख भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संजीव चतुर्वेदी ने किया।

हरा नीम का पेड़ कटवाने के लिए ठेकेदार को लेकर पहुंचा सिपाही

ग्रामीणों ने किया विरोध तो ठेकेदार को लेकर भागा सिपाही

सुल्तानपुर (आरएनएस)। बल्दीराय थाना क्षेत्र में इन दिनो वन विभाग व स्थानीय पुलिस के संरक्षण में हरे वृक्ष की कटान चरम पर हैं पुलिस की रवैया तो इतनी खतरनाक हो गई है कि हल्का सिपाही स्वंय ही ठेकेदार को हरा वृक्ष कटवाने के लिए कटान स्थल तक पहुंचा रहा है इसका एक वीडियो शोसल मीडिया पर वायरल हुआ तो जिले के पुलिस अधीक्षक अनुपम सिंह निश्पक्षता पर सवाल खड़े हुए है।

मामला बल्दीराय थाना क्षेत्र के ग्राम कुमासी मजरे रसहरा का है गांव की निवासिनी कुलसुम पत्नी कलीम ने उप जिलाधिकारी बल्दी राय को एक शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि उसके सहन दरवाजे पर एक बहुत पुराना नीम का पेड़ है जिसे कटवाने के लिए थाना बल्दीराय का सिपाही विशाल वन माफिया को लेकर गांव पहुंचा तो ग्रामीणो ने उसकी एक वीडियो बना कर शोसल मीडिया पर वायरल कर दी देखते देखते नीम के पेड़ की दो डाल भी काट डाला जब पेड़ मालिक को पता चला तो विरोध करने लगा जब सिपाही की करतूत की वीडियो लोग बनाने लगे वीडियो बनता देख सिपाही विशाल ने मोबाइल छीन लिया तब तक आस पड़ोस के लोग भी जमा हो गए। भीड़ बढ़ती देख तुरंत सिपाही सहित ठेकेदार एक ही बाइक पर बैठ कर धमकी देते हुए भाग गए।

इस घटना के संबंध में कुलसुम निशा पत्नी कलीम ने उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि गांव के ही अरबाज कुरैसी व प्रधान प्रतिनिधि जुनेद ने जबरन पुलिस की मदद से नीम का हरा पेड़ कटवा रहे थे।मना करने पर भद्दी भद्दी गालियां व जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। प्रार्थिनी ने बताया कि ये लोग दबंग सरहंग किस्म के लोग हैं पुलिस से मिलकर कभी भी मेरे खिलाफ साजिस रच सकते है। फिलहाल पुलिस की इस कार्य शैली को लेकर साफ छवि के लिए चर्चित कोतवाल नारद मुनि सिंह की छवि को यह हल्का सिपाही धूमिल कर रहा है।

शिक्षा मित्र से शिक्षक बने शिक्षकों ने पेंशन विकल्प पत्र भरवाने का बीएसए को सौंपा ज्ञापन

सुलतानपुर(आरएनएस)। जनपद में शिक्षामित्र से अध्यापक बने शिक्षकों ने संयुक्त समायोजित शिक्षक संघ के पदाधिकारियों के साथ उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक संघ के शिक्षक नेता रणवीर सिंह के संरक्षण में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र गुप्ता से मिलकर सचिव बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज के दिनांक 19ध्7ध्2024 को जारीआदेश के क्रम में उत्तर प्रदेश रिटायरमेंट बेनिफिट रूल 1961 केअधीन कबर होने वाले ऐसे शिक्षकधशिक्षणेत्तर कर्मी जिनका चयन रिक्त पदों के सापेक्ष दिनांक 28 मार्च 2005 के पहले जारी विज्ञापन के आधार पर हुआ है के द्वारा पुरानी पेंशन का विकल्प पत्र भरा जाना है के आधार पर पुरानी पेंशन विकल्प पत्र भरवाये जाने संबंधी आदेश निर्गत करने हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुल्तानपुर श्री उपेन्द्र गुप्ता से मिलकर मांग पत्र सौंपा जिला अध्यक्ष बृजेश कुमार सिंह ने मांग पत्र सौंपते हुए कहा कि मुख्य सचिव वित्त एवं मुख्य सचिव शासन तथा विशेष सचिव और सचिव बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा पुरानी पेंशन के विकल्प पत्र के किसी भी आदेश में किसी भर्ती विशेष के शिक्षकों से विकल्प पत्र लेने की बात नहीं कही गई है।ऐसी स्थिति में शिक्षामित्र से शिक्षक बने अध्यापकों के लिए अलग से प्रयास किए जाने की आवश्यकता नहीं थी परंतु फिर भी ऐसे कार्यों के लिए संगठन को प्रयास करना पड़ रहा है।महामंत्री राकेश मिश्र ने बताया कि अब तक अयोध्या, अमेठी,प्रयागराज, बस्ती, बलिया,कौशांबी सहित प्रदेश के लगभग 35 जनपदों में शिक्षामित्र से शिक्षक बने शिक्षकों का विकल्प पत्र भरवाने का आदेश जारी हो चुका है। शिक्षक नेता रणवीर सिंह ने कहा कि पुरानी पेंशन सिर्फ पेंशन ही नहीं कर्मचारियों के रिटायरमेंट के

बाद सम्मानपूर्वक जीवन यापन की एक गारंटी भी है जो शिक्षकोंध कर्मचारियों को और मेहनत एवं लगन के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करती है जिस पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नें जल्द ही आदेश निर्गत करने का आश्वासन दिया । इस मौके पर शिक्षक वीरेंद्र तिवारी,संतोष बरनवाल, सियाराम गुप्ता रामफल, रफीक, रामकलाप, आशुतोष पाण्डेय, रंजीत, मोतीलाल, सहजाराम, दुर्गा प्रसाद, दिनेश, वाल्मीकि उपस्थित रहे।

जरा याद करो कुर्बानी माह का कल होगा समापन, हजारीराम पाण्डेय की शहादत पर नमन

विजडम इंडिया

प्रयागराज (विनोद द्विवेदी जिला संवाददाता) भारत भाग्य विधाता के तट सावधानी कल 24 अगस्त को हजारी राम पांडे की शहादत बनाई जाएगी। इस अवसर पर उनके सम्मान में बैंड वादन व दीपदान होगा।

शहीदवॉल पर कल 24 अगस्त को जरा याद करो कुर्बानी कार्यक्रम की अगवाई न्यायमूर्ति गौतम चौधरी करेंगे। इस अवसर पर महन्त यमुना पुरी सुदेश शर्मा निदेशक एन सी जेड सीसी, रविकांत मिश्र उपायुक्त जीएसटी भी होगें।

उल्लेखनीय है कि 24 अगस्त 1942 को प्रयागराज के लाल हजारीराम पाण्डेय की शहादत हुई थी

इस अवसर पर ज्ञात अज्ञात शहीदों के नाम दीपदान भी होगा। उपरोक्त जानकारी शहीद वाल के संस्थापक वीरेंद्र पाठक जी ने दी।

कक्षा पांच के छात्र की गला रेतकर हत्या, शव घर से कुछ दूर झाड़ियों में मिला, छानबीन में जुटी पुलिस

विजडम इंडिया

प्रयागराज (विनोद द्विवेदी–जिला संवाददाता) यमुनानगर के नैनी थाना क्षेत्र के महेवा पूरब पट्टी के नई बस्ती से रहस्य में स्थिति में लापता एक कक्षा 5 के छात्र का शव शनिवार को गांव में ही विद्यापीठ इंटर कॉलेज के खाली जमीन पर झाड़ियो में मिला। उसके शरीर पर चोट के कई निशान थे।

मिली जानकारी के अनुसार नैनी थाना क्षेत्र के महेवा नई बस्ती निवासी मोहन लाल भारतीय मार्बल टाइल्स लगाने के मिस्त्री है। उनका 12 वर्षीय पुत्र शरद भारतीय शुक्रवार की शाम रहस्यमय दशा में गायब हो गया था । परिवार के लोग उसे रात भर खोजते रहे, लेकिन उसका सुराग नहीं लगा। परिवार वालों ने रात में ही चौकी पर सूचना दी थी। इसके बाद पिता ने रात 12 बजे नैनी थाने में पहुंचकर तहरीर दी। शनिवार सुबह करीब नौ बजे जब लोगों ने शव को झाड़ी में पड़ा देखा तो पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को झाड़ी से बाहर निकाला तो उसकी पहचान शरद भारतीय के रूप में हुई। उसके गले पर खून और चेहरे पर चोट के कई निशान थे।

नासरा बानो ने साबिरा बानो के आरोपों का किया खंडन

सुल्तानपुर(आरएनएस)–शिक्षा क्षेत्र बल्दीराय के गांव कस्बा माफियात की संस्था मदरसा टी. निशा. पर अवैध जमीन पर संचालन और बिना मान्यता के चलने के आरोपों को संस्था की प्रधानाचार्य नासरा बानो ने खारिज कर दिया है। नासरा बानो का कहना है कि विपक्षी साबिरा बानो द्वारा लगाए गए आरोप बेबुनियाद और निराधार हैं। 'आरोपों का खंडन' नासरा बानो ने बताया कि मदरसा संचालन के लिए स्वर्गीय सफदर हुसैन ने अपना मकान 3 दिसंबर 1997 को तहसील मुसाफिरखाना में हिबानामा कर दिया था, जिसके दस्तावेज मौजूद हैं। संस्था को कक्षा 1 से 10 तक की मान्यता प्राप्त है और आलिम यानी कक्षा 12 की मान्यता के लिए प्रयास जारी हैं। मान्यता प्राप्त होने पर ही कक्षा 12 तक की कक्षाओं का

संचालन किया जायेगा द्य कब्रिस्तान की जमीन से संस्था का कोई लेना देना नहीं है मौके पर कब्रिस्तान की जमीन सुरक्षित है । नासरा बानो ने आरोप लगाया कि साबिरा बानो खुद अवैध जमीन पर मकान बनाकर रह रही हैं वह और उनके भाई ने अवैध जमीन पर जबरन कब्जा कर रखा है। इस संबंध में उन्होंने 2 अगस्त 2025 को संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद हल्का लेखपाल ने दोनों पक्षों को जमीन खाली करने के निर्देश दिए थे। परंतु उक्त दोनों विपक्षी द्वारा जमीन खाली नहीं करने पर पुनः 12 अगस्त 2025 को एसडीएम बल्दीराय से शिकायत की. शिकायत उपरांत स्थानीय पुलिस प्रशासन ने जमीन खाली रखने की सहमति पर सुलह समझौता कराया था.बावजूद इसके अभी तक विपक्षी गणों ने जमीन खाली नहीं किया है । 'मांगरू' नासरा बानो ने शासन और प्रशासन से मांग की है कि समझौते के अनुसार जमीन खाली करवाई जाए और अगर ऐसा नहीं होता है तो वैधानिक कार्रवाई की जाए।

मार्ग दुर्घटना में वृद्ध की मौत

प्रयागराज।(आरएनएस) उतराव थाना क्षेत्र के भ्यूरा गांव में कार ने मोपेड से जा रहे अभिलाख यादव (70) को टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौत हो गई।बताया जाता है कि राम अभिलाख दूध बेचकर अपने परिवार का भरण–पोषण करते थे। वे सैदाबाद से सामान लेने जा रहे थे। इसी दौरान प्रयागराज की तरफ जा रही तेज रफ्तार कार ने उनकी मोपेड को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वे जीटी रोड पर गिर पड़े और सिर में गंभीर चोट लग गई। स्थानीय लोगों ने परिजनों को सूचना दी। परिजन तुरंत उन्हें झूसी के निजी अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

दस साल के बच्चे की हत्या, गुलाब के खेत में मिली लाश

प्रयागराज(आरएनएस)। नैनी थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात 10 साल के बच्चे की हत्या कर दी गई। उसकी लाश घर से 200 मीटर दूर गुलाब के खेत में झाड़ियों के बीच मिली। बच्चे के होंठ और उंगली पर चोट के निशान हैं। वह शुक्रवार शाम 7 बजे घर से दुकान के लिए सामान खरीदने निकला था। इसके बाद से गायब था।

परिवार ने रात भर बच्चे की तलाश की। नैनी कोतवाली में शिकायत भी दर्ज कराई। सुबह करीब 6 बजे खेत में काम करने वाले लोगों ने बच्चे का शव देखा। इसकी जानकारी तुरंत परिजनों को दी। परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना पर नैनी पुलिस और डॉग स्क्वायड टीम मौके पर पहुंची। बच्चे के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया– मौके पर जो सबूत मिले हैं, उसके आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नैनी थाना क्षेत्र के महेवा नई बस्ती के रहने वाले मोहन लाल उर्फ मनू भारतीय पत्थर–टाइल्स लगाने के मिस्त्री हैं। उनके तीन बेटे हैं। बड़ा बेटा अरमान, दूसरा बेटा शरद और तीसरा बेटा संस्कार है। दूसरे नंबर का बेटा शरद (10) कक्षा चार में पढ़ता था। वह शुक्रवार की शाम करीब सात बजे घर से सामान लेने के लिए निकला था। इसके बाद से नहीं लौटा। काफी देर बीतने के बाद बेटा घर नहीं लौटा तो मां मीना ने उसे खोजना शुरू किया। पिता भी गांव के कुछ लोगों के साथ देर रात तक बेटे को खोजते रहे। पूरा परिवार बेटे के लापता होने के बाद परेशान था। पिता ने नैनी कोतवाली में पहुंचकर बेटे की गुमशुदगी की लिखित शिकायत दी। लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला।

शनिवार की सुबह गांव के लोगों ने घर से 200 मीटर की दूरी पर विद्यापीठ स्कूल के पास गुलाब की झाड़ियों के बीच बच्चे का शव देखा। उसकी पहचान करते हुए घर वालों को बताया। घर वालों ने पहुंचकर बेटे की शिनाख्त की।

परिजनों ने बताया कि बेटे को अक्सर सामान लेने के लिए घर से भेज देते थे। कल रात भी ब्रेड और मेहंदी लेने के लिए भेजा था। वह सामान लेकर लौट आता था। लेकिन पता नहीं था, वह दुकान पर जाएगा फिर लौट कर घर नहीं आएगा। सुबह उसकी 6 बजे उसकी लाश मिलने की जानकारी मिली, तो भागते हुए मौके पर पहुंचे।

परिजनों ने यह भी बताया कि एक साल पहले नैनी में एक बारात में शामिल होने गए बड़े बेटे की भी हत्या कर दी गई थी। उसकी भी हत्या का आज तक कुछ पता नहीं चल सका। हमारी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। पोता तो सभी का बहुत दुलारा था।

डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि बच्चे की हत्या की जांच के लिए पुलिस की तीन टीमें बनाई गई हैं। पहली टीम घर के आसपास सीसीटीवी खंगाल रही है। दूसरी घटना को लेकर जांच करेगी। वहीं तीसरी आरोपी की तलाश के लिए ई एंगल पर जांच करेगी।ग्रामीणों की सूचना पर नैनी इंस्पेक्टर बृज किशोर गौतम और डॉग स्क्वायड टीम समेत मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने घटनास्थल पर पहुंचकर कुछ सबूत जुटाए हैं, इन्हें भी जांच में शामिल किया गया है।

संसद संवाद और बहस का मंच है, हंगामे का नहीं

लोकसभा के मानसून सत्र के लिए कुल 120 घंटे चर्चा के लिये निधारित थे, लेकिन कार्यवाही मात्र 37 घंटे ही चल पाई। यानी 70 प्रतिशत से अधिक समय लोकसभा में और 61 प्रतिशत से ज्यादा समय राज्यसभा में हंगामे और शोर–शराबे की भेंट चढ़ गया। लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान उसकी संसद होती है। संसद वह संस्था है जहां जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि राष्ट्र की नीतियों, योजनाओं और कानूनों पर विचार–विमर्श करते हैं। यह वह सर्वोच्च मंच है जहाँ विभिन्न विचारधाराएं और दृष्टिकोण टकराते हैं और देशहित में समाधान निकलता है। लेकिन दुर्भाग्यवश आज भारतीय संसद की छवि हंगामे, तोड़फोड़, शोर–शराबे और गतिरोध का पर्याय बनती जा रही है। हाल ही में संपन्न मानसून सत्र इसकी बानगी था, जो आरंभ से अंत तक त्रासद हंगामे की भेंट चढ़ गया। यह सत्र बेहद निराशा एवं अफसोसजनक रहा, क्योंकि सरकार और विपक्ष में टकराव उग्र से उग्रत्तर हुआ। राज्यसभा में केवल 41.15 घंटे और लोकसभा में 37 घंटे काम हुआ। संवाद एवं सौहाई की कमी दिखी, कई सवाल अधूरे रहे, जिनका जवाब देश जानना चाहता था। यहां दोनों पक्षों से ज्यादा समझदारी, सौहार्द और संतुलित नजरिये की अपेक्षा थी, लेकिन देशहित को दोनों पक्षों ने नेस्तनाबूद किया। यह स्थिति केवल दुखद ही नहीं बल्कि लोकतंत्र के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय भी है। लोकसभा के मानसून सत्र के लिए कुल 120 घंटे चर्चा के लिये निधारित थे, लेकिन कार्यवाही मात्र 37 घंटे ही चल पाई। यानी 70 प्रतिशत से अधिक समय लोकसभा में और 61 प्रतिशत से ज्यादा समय राज्यसभा में हंगामे और शोर–शराबे की भेंट चढ़ गया। संसद में बिताया गया प्रत्येक घंटा जनता के करोड़ों रुपये की कमाई से संचालित होता है। जब वही समय व्यर्थ हो जाए तो यह सीधे–सीधे जनता के साथ अन्याय है। गुजरात के एक निर्दलीय सांसद ने यह प्रश्न उठाया भी कि जो सांसद हंगामा कर सदन को ठप कर देते हैं, क्या वे जनता के धन की बरबादी की भरपाई करेंगे? यह प्रश्न केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति हमारी गंभीरता की कसौटी भी है। काम कम, हंगामा अधिक–आखिर हमारे राजनीतिक दल एवं जनप्रतिनिधि लोकतंत्र की मर्यादा एवं आदर्श को तार–तार करने पर क्यों तुले हैं? कैसी विडम्बना है कि लोकसभा की कार्यवाही के लिए 419 तारांकित प्रश्न शामिल किए गए थे और इनमें से महज 55 का मौखिक उत्तर मिल सका।लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है और आवश्यक भी। विपक्ष का काम ही है सवाल उठाना, सत्ता को जवाबदेह बनाना। लेकिन यह काम हंगामे, नारेबाजी और सदन की कार्यवाही बाधित करने से नहीं हो सकता। संसद संवाद का मंच है, न कि संघर्ष का अखाड़ा। दुर्भाग्य यह है कि आज बहस और तर्क की जगह हंगामे और टकराव ने ले ली है। इससे न तो जनता की समस्याओं पर गंभीर विमर्श हो पाता है और न ही संसद की गरिमा सुरक्षित रह पाती है। सत्र शुरू होने के पहले कार्य मंत्रणा समिति में सरकार और विपक्ष के बीच कुछ मुद्दों पर चर्चा की सहमति बनी थी। लेकिन, सत्र शुरू होने के साथ ही उसे भुला दिया गया। संसदीय परंपरा में विरोध भी अधिकार है, लेकिन इसकी वजह से सदन की गरिमा और उसके कामकाज पर असर पड़ना दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिन्ताजनक है। भारत का हर नागरिक संसद से अपेक्षा करता है कि वहां उसकी समस्याओं पर चर्चा होगी–बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे मुद्दे प्राथमिकता पाएंगे। लेकिन जब टीवी स्क्रीन पर वह अपने प्रतिनिधियों को मेज थपथपाते, नारे लगाते और वेल में जाकर हंगामा करते देखता है तो उसका विश्वास टूटता है और मन आहत होता है। उसे लगता है कि जिन नेताओं को उसने वोट देकर भेजा था, वे उसके हितों की बजाय केवल राजनीति का खेल खेल रहे हैं। यही कारण है कि आज लोकतंत्र के प्रति आम नागरिक का मोहभंग बढ़ रहा है। वैसे भी यह मानसून सत्र ऐसे वक्त हो रहा था, जब भारत नई चुनौतियों से गुजर रहा है। विदेश और आर्थिक, दोनों मोर्चों पर हालात तेजी से करवट ले रहे हैं। ऐसे में और भी अहम हो जाता है कि संसद में इस पर सार्थक चर्चा होती और वाद–विवाद से रास्ता निकाला जाता। बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन–एसआईआर और ऑपरेशन सिंदूर पर कई सवाल बचे रह गए। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों के सजा की स्थिति–यानी जेल में होने पर पद से हटाने वाले संविधान संशोधन विधेयक जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर जिस गंभीरता की जरूरत थी, वह नहीं दिखी। संसद में हंगामे की प्रवृत्ति में केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि सत्ता पक्ष भी अक्सर इसमें बराबर का भागीदार होता है। जब कोई दल विपक्ष में होता है तो वह विरोध के लिए हरसंभव कदम उठाता है, और जब वही दल सत्ता में आता है तो संसद की गरिमा की दुहाई देने लगता है। यह दोहरा रवैया लोकतंत्र को कमजोर करता है। संसद को सुचारुरूप से चलाना केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। दोनों पक्षों को यह समझना होगा कि वे जनता के सेवक हैं, और जनता उनके कामकाज पर पैनी नजर रखती है। संसद में अनुशासन और मर्यादा बनाए रखने के लिए कठोर नियमों की आवश्यकता है। यदि कोई सांसद बार–बार हंगामा करता है, सदन की कार्यवाही बाधित करता है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। आर्थिक दंड एक प्रभावी उपाय हो सकता है। जिस प्रकार एक कर्मचारी को कार्यालय में अनुशासन भंग करने पर वेतन काटा जाता है, उसी प्रकार सांसद का भत्ता और सुविधाएं भी रोकी जानी चाहिए। तभी उन्हें यह समझ आएगा कि संसद खेल का मैदान नहीं बल्कि देशहित का पवित्र मंच है।कई बार सांसद यह तर्क देते हैं कि यदि उनकी आवाज संसद में नहीं सुनी जाती तो वे मजबूर होकर हंगामा करते हैं। लेकिन यह तर्क स्वीकार्य नहीं है। संसद में बोलने के लिए पर्याप्त अवसर मिलते हैं, शून्यकाल, प्रश्नकाल, विशेष उल्लेख, स्थायी समितियाँ–ये सभी मंच सांसदों को मुद्दे उठाने का अवसर देते हैं। यदि इन मंचों का सही उपयोग हो तो हंगामे की कोई आवश्यकता नहीं रहती। सड़क की राजनीति और संसद की राजनीति में अंतर होना चाहिए। यदि संसद भी सड़क जैसी दिखने लगे तो लोकतंत्र की पवित्रता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। अब समय आ गया है कि जनता अपने सांसदों से सवाल पूछे। मतदाता केवल जाति, धर्म या दल देखकर वोट न दें, बल्कि यह भी देखें कि उनका प्रतिनिधि संसद में कितना

समय उपस्थित रहता है, कितनी बार बोलता है, कितने प्रश्न पूछता है और कितनी गंभीरता से बहस में भाग लेता है। चुनाव आयोग और मीडिया को भी यह आँकड़े मतदाताओं तक पहुँचाने चाहिए। जब मतदाता यह तय करने लगेंगे कि उनका वोट केवल उन नेताओं को जाएगा जो संसद में गंभीरता से काम करते हैं, तभी यह प्रवृत्ति बदलेगी।

लोकतंत्र की सफलता केवल संविधान या संस्थाओं से नहीं, बल्कि उन लोगों से होती है जो उन्हें संचालित करते हैं। यदि सांसद ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे तो लोकतंत्र खोखला हो जाएगा। आज आवश्यकता है कि सभी राजनीतिक दल एक साथ बैठकर यह संकल्प लें कि चाहे सत्ता में हों या विपक्ष में, वे संसद की गरिमा को आंच नहीं आने देंगे। असहमति और संघर्ष लोकतंत्र का हिस्सा हैं, परंतु वह असहमति तर्क और संवाद से होनी चाहिए, हंगामे और अव्यवस्था से नहीं। संसद में हंगामे की प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार है। यह जनता की गाढ़ी कमाई की बरबादी है और उनकी उम्मीदों का अपमान भी। यह संसाधनों की बर्बादी एवं जनविश्वास का हनन है। चिंताजनक बात यह है कि संसदीय कार्यवाही का ऐसा अंजाम अब आम हो चुका है। पिछले शीत सत्र में ही लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हुए थे। संसद सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन जब काम नहीं करता, तो जनता की गाढ़ी कमाई के इन रुपयों के साथ देश का बेहद कीमती समय भी जाया हो जाता है।

सम्पादकीय

दलील पुष्टि के लिए सार्वजनिक विरोध

बिहार में वोट अधिकार यात्रा कर राहुल गांधी जिस वक्त वोट चोरी का आरोप मढ़ रहे थे, ठीक उसी वक्त मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार दिल्ली में जवाबी कार्रवाई का ऐलान कर रहे थे।

उन्होंने प्रेस कांफ्रेस के मार्फत से राहुल के सवालों का जवाब देते हुए आरोपों को बेबुनियादी ठहराया। बिना हलफनामा दाखिल किए, इनकी जांच नहीं होने की बात करते हुए ज्ञानेश ने कहा, यदि राहुल सात दिन के भीतर माफी नहीं मांगते तो इन आरोपों को बेबुनियादी समझा जाएगा। गांधी ने आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगाते हुए पांच सवाल किए थे।

जिनमें चुनाव आयोग द्वारा बड़े पैमाने में वोटर लिस्ट में फर्जीवाड़ा करने, भाजपा के एजेंट की तरह काम करने, मतदान के वीडियो सबूत नष्ट करनेडिजिटल फॉम्रेट में मतदाता सूची न मुहैया कराने व विपक्ष के सवालों के जवाब की बजाए उसे धमकाने के कारण पूछे थे। इसमें बिहार में चल रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर भी सवाल शामिल थे। आयोग का दावा है कि वह मजबूती से मतदाताओं के साथ खड़ा है।

कुमार ने वोट चोरी जैसे शब्दों के प्रयोग को करोड़ों मतदाताओं व लाखों चुनाव कर्मचारियों की ईमानदारी पर हमला बताया। आयोग का दावा है कि देश के तीन लाख नागरिकों की एपिक संख्या मिलती–जुलती है। जिसके संज्ञान में आते ही बदलाव किया गया। कांग्रेस ने ज्ञानेश कुमार पर भाजपा प्रवक्ता की तरह बात करने का आरोप लगाते हुए संवैधानिक रूप से दायित्व निभाने की सलाह दी।

बेशक अपनी पहली प्रेस कांफ्रेस में मुख्य संवैधानिक संस्था के मुखिया की बजाए राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की तरह बात करके ज्ञानेश विपक्ष के आरोपों के सटीक जवाब देने से बचते नजर आए। जल्दबाजी में उठाए गए उनके इस कदम से नाराज विपक्ष ज्ञानेश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार कर रहा है। ध्यान देने वाली है कि मुख्य चुनाव आयुक्त या अन्य चुनाव आयुक्तों को अधिनियम 2023 के अनुसार उसी आधार पर हटाया जा सकता है, जिस आधार पर न्यायाधीश को हटाया जा सकता है।

हालांकि विपक्ष के पास इसे पारित कराने भर की संख्या नहीं है, मगर अपनी दलील की पुष्टि के लिए वे सार्वजनिक मंच से विरोध करने में सफल होते नजर आना चाहेंगे। शीर्ष अदालत में मामला होन के चलते दोनों पक्षों को किसी तरह के आरापों–प्रत्यारोपों पर लगाम लगानी चाहिए। यह गंभीर मसला है, मुनासिब होगा कि आरोपों को सिद्ध करने या खारिज करने में कोई संदेह की गुंजाइश नहीं छोड़ी जानी चाहिए।

ओवर टूरिज्म से कोई भी खुश नहीं

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

निरूस्संदेह टूरिज्म हो या ओवर टूरिज्म इससे देशों, राज्यों, नगरों या गांवों की आर्थिकी बढ़ने की संभावनाएं रहती ही है। किन्तु इसके बावजूद पूरे विश्व में सभी देश, सभी शहर या स्थानीय वासी ओवरटूरिज्म से खुश नहीं हैं।

विशेषकर यूरोप में लोकप्रिय पर्यटक महानगरों नगरों में अतिशय पर्यटन का विरोध हो रहा है। भारतीय पर्यटक नगरी में पर्यटकों की भारी भीड़ से, उनके व्यवहार से, जामों से और उनके कारण बढ़ते उपभोक्ता सामग्रियों व कूड़ा कचरे के अंबार से देर–सबेर भारत भी ओवरटूरिज्म के विरोध से अझूता नहीं रहेगा। यूरोप में भी ओवर टूरिज्म का विरोध करने वाले प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इससे घरों के किराये बढ़ गए हैं, हमारी गलियां भीड़ भरी हो गई हैं और स्थानीय संस्कृति का क्षरण हो रहा है। यही सब भारत में भी अत्याधिक पर्यटनग्रस्त प्रमुख पर्यटक नगरियों के नागरिक भी अनुभव कर रहे हैं।

भारत में ओवर टूरिज्म की कीमत स्थानीय लोग जाम में फंस हर काम में अतिरिक्त समय लगा दे रहे हैं। आने–जाने में देरी से जरूरी काम भी छूट जाते हैं या उन्हें टालना पड़ता है। इससे आर्थिक हानि भी हो जाती है। तनाव अलग से पैदा होता है। ये वह लागत है जो पर्यटन से बढ़े राजस्व का ढिंढोरा पिटते सरकारों या हितधारकों के आकलन में नहीं होता है। किन्तु जिसे हर अपने गांव–शहर के ओवर टूरिज्म से पिसा स्थानीय नागरिक चुका रहा है।

हर काम के लिए घर से पहले निकलने और देरी से घर पहुंचने की मजबूरी रहती है। इसमें घर के कई ओवर टूरिज्म की मुख्य पहचान हम भारी जाम से करते हैं। देहरादून मसूरी जाम में इसी माह एक पं्यटक की मौत हुई, परन्तु ऐसी घटनाएं अन्यत्र से भी सुनने को आने लगी हैं। सरकारी तौर पर ये जानकारी शिमला में जून 20 और जून 23 के बीच कुल तीन दिनों में ही साठ हजार पर्यटक वाहन नगर में प्रवेश किए थे। ये नित्य के स्थानीय परिवहन के अतिरिक्त है। इस जून 2025 में जिले के पुलिस अधिकारी के अनुसार देहरादून से मसूरी जाने को सामान्य दिनों में प्रति दिन 4 से आठ हजार वाहन होते हैं।

इन दिनों वीकेंड में पंद्रह हजार वाहन आ रहे हैं। हालात ऐसे हो जाते हैं कि स्थानीय जन अपने ही शहर में ही कैद हो जाता है। यूरोप में जगह–जगह स्थानीय लोग श्टूरिस्ट गो होम्य के नारे लग रहे हैं। ओवर टूरिज्म के खिलाफ लोग अभियान चला रहे हैं। इटल , स्पेन और पुर्तगाल में तो बहुत जोर पकड़ रहा है। श्पर्यटकों घर जाओय, श्एक पर्यटक का बढ़ना एक स्थानीय निवासी का कम होनाय जैसे पोस्टर व नारे लग रहे हैं। वे कहते हैं उनका जीना दूभर हो गया है। किराये के घरों का दाम बहुत बढ़ गया है। बड़े–बड़े होटलों के खोलने व उनमें विस्तार होने का विरोध हो रहा है। इस 15 जून को बड़े प्रदर्शन हुए।

कूटनीति में यात्रा का क्रम कई संदेश देता है, एशियाई राजनीति में संतुलन साधेंगे मोदी

अमेरिकी दृष्टि से यह यात्रा बेहद अहम है। वॉशिंगटन इसे गहराई से देखेगा, क्योंकि यह उसकी इंडो–पैसिफिक रणनीति, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और जापान की भूमिकाकृ तीनों से जुड़ी है। भारत यहाँ अमेरिका को यह संदेश देना चाहता है कि वह किसी एक खेमे का हिस्सा नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 अगस्त से 1 सितंबर तक जापान और चीन की यात्रा पर जा रहे हैं। यह दौरा केवल दो देशों की यात्रा भर नहीं है, बल्कि एशिया तथा वैश्विक राजनीति की दिशा और संतुलन को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण कदम है। इतना ही नहीं, इसके प्रभाव वॉशिंगटन तक भी पहुँचेंगे।सबसे पहले, 29दृ30 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी जापान जाएंगे, जहाँ वह प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ 15वें भारतदृ जापान वार्षिक सम्मेलन में शामिल होंगे। यह मोदी का जापान का आठवाँ दौरा और इशिबा के साथ उनकी पहली मुलाकात होगी। हम आपको बता दें कि भारत और जापान के बीच "स्पेशल स्ट्रैटेजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप" है, जिसमें रक्षा–सुरक्षा, व्यापार, तकनीकी सहयोग और जन–से–जन संपर्क प्रमुख आधार हैं। इस यात्रा के माध्यम से मोदी यह संदेश देंगे कि भारत एशिया–प्रशांत क्षेत्र में लोकतांत्रिक, पारदर्शी और नियम–आधारित व्यवस्था का प्रबल समर्थक है। जापान के लिए यह संकेत भी स्पष्ट होगा कि भारत उसके साथ गहरी साझेदारी चाहता है और चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच वह अकेला नहीं है।इसके बाद, 31 अगस्तदृ1 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (ब्) शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। ब् भारत की एशिया नीति का अहम हिस्सा है, जहाँ सुरक्षा, आतंकवाद और क्षेत्रीय सहयोग जैसे विषयों पर विचार–विमर्श होता है। इस मंच पर मोदी की मौजूदगी चीन के लिए यह संदेश है कि भारत टकराव नहीं बल्कि संवाद और बहुपक्षीय सहयोग का पक्षधर है। साथ ही यह भी स्पष्ट संकेत है कि भारत जापान जैसे देशों के साथ सामरिक सहयोग बढ़ाकर बीजिंग पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाए रखने की क्षमता रखता है।कूटनीति में यात्रा का क्रम भी संदेश देता है। मोदी ने पहले जापान और फिर चीन का दौरा तय कर यह जताया है कि भारत एशिया में अपनी स्वतंत्र रणनीतिक प्राथमिकताओं पर चलता है। बीजिंग को संकेत दिया गया है कि भारत उसकी शर्तों पर नहीं झुकेगा और जापान को आश्वस्त किया गया है कि चीन के साथ संवाद उसकी कीमत पर नहीं होगा।इसके अलावा, जापान के साथ रक्षा सहयोग हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता का संतुलन साधने में मदद कर सकता है, वहीं जापान निवेश और तकनीकी सहयोग का भी बड़ा स्रोत है। दूसरी ओर, चीन के साथ सीधे संवाद बनाए रखने से भारत को सीमा विवाद और ब् जैसे मंचों पर अपनी स्थिति मजबूती से रखने का अवसर मिलता है। इस क्रम में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का हालिया बयान उल्लेखनीय है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया कि परिस्थितियाँ मांगने पर चीनी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (थ्क्प्) पर लगी पाबंदियों की समीक्षा की जा सकती है। यह संकेत ऐसे समय आया है जब अमेरिका के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों में तनाव देखा जा रहा है और चीन के साथ तालमेल की संभावनाएँ खुल रही हैं।

क्या कोई राहुल को 1987 के जम्मू कश्मीर के चुनाव की याद नहीं दिलाता है ?

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस के नेता राहुल गांधी इन दिनों मूर्तिभंजन में लगे हैं। वे प्रतिमाओं के सिंदूर खरोंच रहे हैं। वे इस संकल्प और रणनीति के साथ काम कर रहे हैं कि अगर हम चुनाव नहीं जीत सकते हैं तो चुनाव की पूरी प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया जाए। अगर हम किसी मुकदमे में फंसे हैं तो जांच की पूरी प्रक्रिया और हर जांच एजेंसी को संदिग्ध बना दिया जाए। अगर हमारी खबरों को प्रमुखता से जगह नहीं मिलती है तो मीडिया की साख को संदिग्ध बना दिया जाए।

अगर कारोबारी हमें चंदा नहीं देते हैं या कम देते हैं तो सभी कारोबारियों को क्रोनी कैपिटलिस्ट साबित कर दिया जाए। अगर अधिकारी हमें सलामी नहीं देते हैं तो पूरी नौकरशाही को भ्रष्ट और सरकार का पिछलग्गू बता दिया जाए। अगर न्यायपालिका से मनमाफिक फैसला नहीं आता है तो उसे सरकार के लिए प्रतिबद्ध बता दिया जाए। इस तरह वे हर संस्था को तहस नहस करने की दिशा में बढ़ गए हैं। ऐसी अराजक राजनीति कुछ समय पहले आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल ने शुरू की थी। हालांकि मुख्यमंत्री रहने और दो राज्यों में सरकार बनाने के बाद उनकी राजनीति में ठहराव आ गया है।

अब राहुल गांधी ने केजरीवाल की राजनीतिक किताब का एक पन्ना खोल कर उसे पढ़ना शुरू किया है। हालांकि दोनों में फर्क यह है कि केजरीवाल ने अपनी राजनीतिक पार्टी 2012 में बनाई, जबकि राहुल गांधी की पार्टी कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है और सबसे लंबे समय तक सत्ता में रही है। सत्ता भी सबसे लंबे समय तक राहुल गांधी के परनाना, उनकी दादी और उनके पिता के हाथ में रही है। परोक्ष रूप से 10 साल तक शासन उनकी मां और उनके हाथ में भी रहा है। कांग्रेस ने अपने लंबे शासन में संस्थाओं को जो रूप दिया और जिस तरह से संस्थाओं का इस्तेमाल किया आज भी संस्थाएं उसी तरह से काम कर रही हैं। कह सकते हैं कि उसके मुकाबले गिरावट ज्यादा आ गई है। तब भी यह सिर्फ डिग्री का ही फर्क है।

सोचें, राहुल गांधी चुनाव की पूरी प्रणाली को मर चुका बता रहे हैं। कांग्रेस को इस बात पर आपत्ति है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को हटा कर सरकार के एक कैबिनेट मंत्री को रखा गया। लेकिन कांग्रेस के लंबे शासनकाल में तो सीधे सरकार ही चुनाव आयुक्तों को नियुक्त करती थी! राहुल गांधी के सक्रिय राजनीति में आने के बाद कांग्रेस पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से रिटायर हुए एमएस गिल को मनमोहन सिंह की सरकार में मंत्री बनाया था।

राहुल के सक्रिय राजनीति में आने के बाद परिवार के प्रति निष्ठावान नवीन चावला को चुनाव आयुक्त बनाया गया था। इतना ही नहीं उन पर विवाद होने के बावजूद उनको मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया गया। लेकिन अब राहुल इस बात पर सवाल उठा रहे हैं कि चुनाव आयुक्त को प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और एक कैबिनेट मंत्री की सदस्यता वाली कमेटी क्यों चुनती है? क्या वे चाहते हैं कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति विपक्ष को करने दिया जाए?

इसी तरह राहुल गांधी जब चुनाव आयोग पर वोट चोरी करने का आरोप लगाते हैं तो क्या कोई उनको 1987 के जम्मू कश्मीर के चुनाव की याद नहीं दिलाता है? कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन को चुनाव जिताने के लिए उस समय क्या किया गया था, यह इतिहास में दर्ज है। वैसी धांधली, वैसा जुल्म, वैसी वोट की चोरी आजाद भारत के इतिहास में तो नहीं देखी गई है। कांग्रेस चुनाव तो जीत गई, लेकिन चुनाव के बाद जम्मू कश्मीर के लोगों का दिल्ली के शासन से ऐसा मोहभंग हुआ कि लोग आजादी चाहने लगे, जिससे पाकिस्तान को मौका मिला और पूरा प्रदेश आतंकवाद व छद्म युद्ध की चपेट में आ गया। उस वोट के लूट की जिम्मेदार राजीव गांधी की केंद्र सरकार थी। ऐसी अनेक और भी मिसालें दी जा सकती हैं। सबको यहां लिखने की जरुरत नहीं है।

ऐसे ही वे न्यायपालिका से लेकर जांच एजेंसियों और मीडिया से लेकर कॉरपोरेट तक को कठघरे में खड़ा करते हैं। वे कांग्रेस का इतिहास भूल जाते हैं या उनको जानकारी ही नहीं है कि मौजूदा सिस्टम कांग्रेस का ही बनाया हुआ है। अभी तो कम से न्यायपालिका में वरिष्ठता के आधार पर नियुक्ति हो रही है। इंदिरा गांधी ने तो वरिष्ठता के नियम को ही बदल दिया था। उन्होंने 1973 में जस्टिस एमएन शेलत, जस्टिस एएन ग्रोवर और जस्टिस केएस हेगड़े की वरिष्ठता को दरकिनार करके चौथे नंबर के जज जस्टिस अजित नाथ रे को चीफ जस्टिस बनाया था और चार साल बाद 1977 में जस्टिस हंसराज खन्ना की वरिष्ठता को दरकिनार करके जस्टिस हमीदुल्ला बेग को चीफ जस्टिस बनाया था।गौरतलब है कि जस्टिस हंसराज खन्ना ने इमरजेंसी में मौलिक अधिकार निलंबित करने के इंदिरा गांधी सरकार के फैसले की आलोचना की थी और उसके खिलाफ अपना निर्णय दिया था। ध्यान रहे जजों के रिटायर होने के बाद उनको मलाईदार पदों पर बैठाने का चलन भी कांग्रेस ने ही शुरू किया। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष कोई रिटायर चीफ जस्टिस ही होगा यह नियम कांग्रेस की सरकार ने बनाया और सबसे पहले जस्टिस रंगनाथ मिश्र उस पद पर बैठे।

कारोबारियों का मामला भी कुछ अलग नहीं है। राहुल गांधी आरोप लगाते हैं कि देश की सारी संपत्ति चार पांच लोगों के हाथ में सौंप दी गई है। यह चलन भी कांग्रेस का ही शुरू किया हुआ है। आजादी के बाद सोवियत मॉडल पर कंपनियों को लाइसेंस बांटे जाते थे। राहुल गांधी के दादा फिरोज गांधी ने इसमें गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। हालांकि तब कोई जांच नहीं हो सकी लेकिन उनके निधन के कई साल बाद 1967 में इसकी जांच के लिए आरके हजारी के नेतृत्व में हजारी कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी ने इंडस्ट्री डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन एक्ट 1951 के तहत दिए गए लाइसेंसों की समीक्षा की थी। बाद में इस कमेटी की रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई के लिए सुबिमल दत्ता की कमेटी बनी थी। इन दोनों की रिपोर्ट में कहा गया कि लाइसेंसिग नीति में भ्रष्टाचार है और चुनिंदा कंपनियों को मदद की जा रही है। यहां तक रिपोर्ट आई कि आजादी के बाद जितने लाइसेंस बांटे गए थे उनमें से 60 फीसदी से ज्यादा लाइसेंस सिर्फ एक कंपनी, बिड़ला समूह को दिए गए थे।जहां तक केंद्रीय एजेंसियों का सवाल है तो कांग्रेस के शासन में ईडी ने 65 फीसदी मुकदमे विपक्षी पार्टियों के नेताओं और उनके करीबियों पर किए थे और अब 95 फीसदी मामले ऐसे हो रहे हैं। तो यहां भी फर्क सिर्फ डिग्री का है, पैमाने का है। पहले भी एजेंसियां सरकार में बैठे लोगों के विरोधियों को परेशान करने के लिए काम करती थीं और आज भी करती हैं। राज्यों में जहां जिस विपक्षी पार्टी की सरकार है वहां वह दूसरी पार्टियों के खिलाफ राज्य की एजेंसियों का ऐसे ही इस्तेमाल कर रही हैं। इसी तरह जब तक कांग्रेस पार्टी ताकतवर रही मीडिया

आज का राशिफल

मेष राशि

आज का दिन आपके लिए उत्साह से भरा रहने वाला है। आज आपके व्यापार में बेहतर सुधार आयेगा , जिससे आपका मन शांत रहेगा। पारिवारिक जीवन में चल रही अनबन आज समाप्त होगी, आपके परिवार में खुशियां बढ़ेगी। आज नर्सिंग कर रहे छात्रों को करियर में सफलता मिलेगी। आज आपके नए दोस्त बनेंगे,

वृषभ राशि

आज का दिन आपके परिवार के लिए खुशनुमा बना रहेगा। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है।इस राशि की महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद खास रहने वाला है।

मिथुन राशि–

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप नया घर लेने का विचार कर सकते हैं और आपको किसी बिल्डर्स के माध्यम से जबरदस्त डील मिलेगी।

कर्क राशि–

आज आप दिन की शुरुआत अच्छे मूड से करेंगे। आज किसी रुके काम को पूरा करने का सही समय है, इसमें आपको कलीग का सहयोग भी मिलेगा। इस राशि के सिविल इंजीनीयर्स के लिए दिन बेहतरीन रहेगा, आप किसी नए प्रोजेक्ट के ऊपर काम शुरू कर सकते हैं।

सिंह राशि–

आज का दिन आपके लिए ठीक दृ ठाक रहेगा। आज आपकी मुलाकात किसी अजनबी से होगी, जिससे आप जीवन की नई सीख लेंगे। आज आपकी कड़ी मेहनत से दूसरे भी प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। दफ्तर में आज उच्चाधिकारियों की मदद से रुका काम पूरा हो जायेगा। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या राशि–

आज आपका दिन नई उमंग के साथ शुरू होने वाला है। आज आपकी सूझ–बूझ से किसी काम में सफलता हासिल होगी। आज आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्तिथि में सुधार आएगा। आज आप जीवनसाथी के लिए नई ज्वेलरी खरीद सकते हैं, आपके जीवन में आनंद बढ़ेगा।

तुला राशि–

आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज किसी बड़ी कंपनी से आपके लिए जॉब का ऑफर आ सकता है। आज परिवार में किसी सदस्य से आपको अच्छी सलाह मिलेगी।

वृश्चिक राशि–

आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको किसी जरुरी काम से बाहर जाना पड़ सकता है, अपना जरुरी सामान रखना न भूलें। आज आपके बिजनेस में अच्छा प्रॉफिट होगा।

धनु राशि–

आज का दिन आपके लिए मिला दृ जुला रहेगा। आज आपको वर्क–फील्ड में सहयोगियों से मदद मिलेगी। इस राशि के घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स आज माता–पिता से मिल सकते हैं।

मकर राशि–

आज का दिन आपके लिए ठीक दृ ठाक रहेगा। आज आप बिजनेस को आगे बढ़ाने की नयी योजना बनायेंगे, जिससे आपकी कामयाबी आसमान की बुलंदियों पर होगी।

कुंभ राशि–

आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप किसी काम की शुरुआत कर सकते हैं, जिसमें आपको अच्छी सफलता मिलेगी। आज आप आलस्य का त्याग करके आगे बढेंगें,

मीन राशि–

आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपको परिवार से खुशखबरी मिलेगी और ईश्वर की कृपा से आज आपके सभी काम सफल होंगे। आज आपको अपने काम में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है, जिससे आपका प्रोजेक्ट समय से पूरा हो जाये।

मां की कुल्हाड़ी से हत्या करने वाला बेटा 24 घंटे में गिरफ्तार

आजमगढ़अतरौलिया थाने की पुलिस ने पारिवारिकध्मकान बंटवारे को लेकर कुल्हाडी से हमला कर खुद की माँ की हत्या करने वाला अभियुक्त 24 घण्टे के भीतर घटना में प्रयुक्त 01 अदद कुल्हाड़ी के साथ गिरफ्तार। गुरुवार को वादी प्रवीण कुमार पाण्डेय पुत्र स्व0 गोपाल पाण्डेय निवासी अचलीपुर थाना अतरौलिया जनपद आजमगढ़ द्वारा थाने पर आकर लिखित तहरीर दिया गया कि वादी का सगा भाई प्रवण कुमार पाण्डेय पुत्र स्व0 गोपाल पाण्डेय द्वारा पारिवारिकध्मकान बंटवारे के विवाद को लेकर अपनी मां विजयकान्ति देवी को धारदार कुल्हाडी से गर्दन व सिर पर हमला कर, गंभीर रुप से घायल कर दिया, जिन्हें डाक्टर द्वारा मृत घोषित कर दिया गया है। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 0268ध्25 धारा 103(1) ठछै बनाम अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध पंजीकृत किया गया, शुक्रवार को थानाध्यक्ष अतरौलिया मय हमराह द्वारा मुखबिर की सूचना पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त 1. प्रवण कुमार पाण्डेय उर्फ मनीष पुत्र स्व0 गोपाल पाण्डेय निवासी अचलीपुर थाना अतरौलिया जनपद आजमगढ़ को सौ शैय्या अस्पताल तिराहे के पास से समय करीब 08.00 बजे सुबह गिरफ्तार किया गया। अन्य अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

ओम प्रकाश राजभर ने कार्यकर्ता सम्मेलन में सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

आजमगढ़ जिला के बिलरियागंज ब्लॉक के जयगहा बाजार में स्थित सूर्य वाटिका के प्रांगण में सुभसपा द्वारा कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया था जिसमे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग पहले पूरी तरह से सरकारी योजनाओं के बारे में जान लीजिए उन्होंने कहा कि समस्त भारतवर्ष के लिए मोदी जी एक से बढ़कर एक स्कीम चला रहे हैं जिसका फायदा आम जनता तक पहुंचना चाहिए। इस संबंध में आप लोग गांव–गांव जाकर डोर टू डोर और एक–एक आदमी से संपर्क करके सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में समझाइए और बताइए।जैसे इस समय सबसे बड़ी विद्युत समस्या है बिजली विभाग के लोग आंख मीचोली करते हुए आम जनता की बिल बढ़ा देरहे हैं जिसे आम जनता भरने में कठिनाइयो का सामना कर रही है या तो बिल का भुगतान कर नहीं पा रही है। इन्हीं सब समस्याओं से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोलर पैनल स्कीम चलाई है जो सब्सिडी और छूट के साथ दिया जा रहा है इसकी जानकारी आप लोग एक–एक व्यक्ति को दीजिए जिससे पीएम द्वारा चलाई जा रही योजना सफल हो सके और आम आदमी भी लाभान्वित हो सके। इस मौके पर सूरज प्रकाश राय अरविंद पाठक विवेक चौबे राजी हैदर सूर्य प्रताप लाल श्रीवास्तव रूद्रप्रकाश राय उर्फ पिंटू राय संतोष पासवान ओंकार गॉड सरवन यादव जगतपाल सिंह सूर्यभान सोनकर जयराम यादव नीरज सिंह प्रवीण पाठक शाहिद क्षेत्र के सम्मानित लोग मौजूद थे इसी कड़ी में ओम प्रकाश राजभर ने हरैया ब्लाक के तुलापुर गांव में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर सरकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा पोखरा गांव निवासी मुकेश प्रजापति को आजमगढ़ मंडल का महा सचिव बनाया इस मौके पर पंचायती मंत्री ओमप्रकाश राजभर का स्वागत व सम्मान समारोह आयोजित किया गया। पंचायती मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने हरैया विकासखंड के पोखरा गांव में स्वागत के बाद चौपाल लगाई गई। चाय पानी की व्यवस्था की गई थी। चौपाल में पंचायती मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि सरकार की सभी योजनाएं घर घर पहुंचे, इसी लिए हम आए है। शौचालय, आवास,पेंशन, संपर्क मार्ग,दवा आदि जो भी इसका लाभ सबको मिलना चाहिए। माल्यार्पण के बाद आजमगढ़ मंडल का मंडल महा सचिव की घोषणा ग्राम प्रधान मुकेश प्रजापति का किया गया। मुकेश प्रजापति को राजभर ने अपने पार्टी की जिम्मेदारी मंडल महासचिव की घोषणा कर किया। उपस्थित लोगों ने ताली बजाकर स्वागत किया। इस मौके पर गांव के सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

कस्बा देवगांव की शोभा बढ़ा रहा कूड़े का अम्बार

आजमगढ़ देवगांव कोतवाली के पीछे स्थित राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवगांव स्कूल पर जाने वाले रास्ते पर स्कूल से मात्र 50 मीटर की दूरी पर कचरों का अंबार लगा हुआ है। जिससे आए दिन छात्राओं सहित राहगीरों को आने–जाने में दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है।लेकिन इसे समुचित स्थान पर रखवाने की कवायत किसी जिम्मेदार ने नहीं समझी।प्राप्त समाचार के अनुसार देवगांव बाजार से थाने की गली से निकलने वाला रास्ता कस्बा देवगांव से होते हुए देवगांव ज्यूली मुख्य मार्ग को जोड़ने वाले रास्ते पर मिलता है। उक्त रास्ते पर दोनों तरफ पोखरी है। और वही पर कई लोगो का रिहायाशी मकान भी है । इस पोखरी के सामने सड़क पर कचरे का अंबार लगा हुआ है। इस कचरे से जहां लोगों को संक्रामक बीमारी फैलने का खतरा हमेशा बना रहता है तो वहीं आए दिन इस सड़न वाले कूड़ा कचरा की दुर्गंध पूरे कस्बे में अपना प्रभाव फैलाती रहती है। उक्त रास्ते से निकलने वाला हर कोई भूनभूनाते हुए अपनी नाक को ढक कर गुजर तो जाता है। लेकिन कचरे को समुचित स्थान पर फेंकने की जिम्मेदारी किसी ने नहीं उठाई।

कृषि महाविद्यालय में गाजरघास जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम हुए आयोजित

आजमगढ़रानी की सराय।कृषि महाविद्यालय आजमगढ़ में गाजरघास जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम हुए आयोजित किए गए ᵖ हर वर्ष 16 से 22 अगस्त तक यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य पार्थेनियम नामक आक्रामक खरपतवार के हानिकारक प्रभावों के बारे में किसानों, छात्रों और आम जनता को शिक्षित करना और प्रबंधन के तरीकों पर जागरूकता बढ़ाना है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) विभिन्न संस्थानों और कृषि विश्वविद्यालयों के माध्यम से इस सप्ताह के दौरान व्याख्यान, किसान बैठकें, प्रदर्शनियाँ, छात्र रैलियाँ, और पार्थेनियम को हटाने व खाद बनाने जैसी गतिविधियों का आयोजन करता है। महाविद्यालय में इस दौरान जागरूकता रैली, गोष्ठी क्विज प्रतियोगिताओं आदि का आयोजन किया गया ᵖ साथ ही अलग अलग विद्यालयों में जाकर शिक्षकों एवं छात्रों ने इस अभियान के

बारे मे अवगत कराया ᵖ इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे

विद्यालयों को आकर्षक बनाने व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर दिया जोर।

आजमगढ़ जनपद के बिलरियागंज ब्लॉक सभागार में शुक्रवार को आयोजित बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राजीव पाठक ने विद्यालयों की स्थिति सुधारने तथा शिक्षण व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए अध्यापकों को दिशा–निर्देश दिए।

बीएसए ने कहा कि निरीक्षण के दौरान लापरवाही मिलने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। छात्रों की वास्तविक उपस्थिति बढ़ाने के लिए अभिभावक संपर्क रजिस्टर तैयार करने, अभिभावकों के मोबाइल नंबर सुरक्षित रखने और समय–समय पर उनसे संवाद स्थापित करने पर जोर दिया गया।उन्होंने बताया कि कम्पोजिट ग्रांट का उपयोग मरम्मत कार्य, शौचालयों की व्यवस्था,स्वच्छता, रसोईघर रंगाई–पुताई व अन्य आवश्यक सुविधाओं पर किया जाए। विद्यालयों में पंखे, ग्रीन बोर्ड, समय–सारणी, शिक्षकों का विवरण व फोटोयुक्त फ्लेक्स अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश भी दिए।प्रत्येक कक्षा में समय–सारणी प्रदर्शित करने, गृहकार्य की नियमित जांच करने और मासिक परीक्षा आयोजित

गैर इरादतन हत्या के 02 आरोपी अभियुक्त को 10 वर्ष कठोर कारवास

आजमगढ़ तरवां थाना क्षेत्र में गैर इरादतन हत्या के 02 आरोपी अभियुक्त को 10 वर्ष कठोर कारवास व 01 लाख 60 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया, वादी प्रमोद यादव पुत्र रामबृक्ष यादव निवासी रामपुर हरदसई थाना तरवा जनपद आजमगढ़ ने थाने पर लिखित तहरीर दी कि दिनांक– 02.05.2012 को अभियुक्तः 1. योगेन्द्र कुमार यादव पुत्र सीताराम यादव 2. रविन्द्र यादव पुत्र सीताराम यादव निवासीगण रामपुर हरदसई थाना तरवा जनपद आजमगढ़ द्वारा वादी पक्ष के लोगो को लाठी डण्डे से मार कर घायलकर देना जिससे राजनाथ पुत्र कुवर यादव के सर की हडडी टूट जाना और ईलाज के दौरान मृत्य हो जाना । अभियुक्तगण के विरूद्ध थाना तरवा पर मु0अ0सं0– 197ध 2012 धारा–304,34,308,325,323, 427, 504,506 भादवि पंजीकृत किया गया । अभियुक्त के विरूद्ध आरोप पत्र मा0 न्यायालय में दाखिल किया गया । मुकदमा उपरोक्त में 12 गवाह परीक्षित हुए है । जिसके क्रम में दिनांक– 22.08.2025 को मा0 न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीशध्ध्ज्ब–2 कोर्ट आजमगढ़ द्वारा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 'अभियुक्तगण 1. योगेन्द्र कुमार यादव पुत्र सीताराम यादव 2. रविन्द्र यादव पुत्र सीताराम यादव निवासीगण रामपुर हरदसई थाना तरवा जनपद आजमगढ़ को दोषसिद्ध पाते हुए को प्रत्येक को 10 वर्ष के कठोर कारवास व 01 लाख 60 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित' किया गया ।

सेमरी चौकी से हिरासत में रखा अभियुक्त अशरफ फरार, पुलिस महकमे में हड़कंप

आजमगढ़। तहबरपुर थाना क्षेत्र स्थित सेमरी पुलिस चौकी से हिरासत में रखा गया अभियुक्त मोहम्मद अशरफ फरार हो गया। उसे 20 अगस्त को गोवध निवारण अधिनियम और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत पकड़ा गया था। अशरफ सरायमीर थाना क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है। इस घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। फरार अभियुक्त की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ ने लापरवाही बरतने पर चौकी पर तैनात सिपाही रविंद्र को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

ब्लाक संसाधन केंद्र बिलरियागंज पर पांच दिवसीय फाउंडेशन लिटरेसी एंड न्यूमैरेसी के प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

आजमगढ़ जनपद के ब्लॉक संसाधन केंद्र बिलरियागंज पर फाउंडेशन लिटरेसी एंड न्यूमैरेसी की पांच दिवसीय ट्रेनिंग आज दिनांक 22 अगस्त 2025 से प्रारंभ हुई प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन खंड शिक्षा अधिकारी जगदीश यादव द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया। प्रशिक्षण के शुभारंभ में श्रीमती पूनम यादव सहायक अध्यापक तथा सुष्मिता सिंह सहायक अध्यापक द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया गया।एवं श्रीमती रीता सेठ सहायक अध्यापक और श्री अनिल कुमार सहायक अध्यापक प्राथमिक विद्यालय हीरनई गुल्लीगढ़ द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया जिससे कक्षा का माहौल बहुत ही आनंददाई हो गया स शिक्षकों के इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों में भाषा एवं गणित विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना भाषा और गणित विषय की बारीकियो से परिचित कराना विशेष रूप से एनसीईआरटी आधारित ैब्त्ज् द्वारा विकसित कक्षा 1,2 एवं 3 में भाषा गणित अंग्रेजी की पुस्तकों में सम्मिलित कुछ नए विषय वस्तुओं से परिचित कराना जिससे उनमें शासन की मंशा के अनुसार गुणवत्ता प्राप्ति एवं गुणवत्ता संवर्धन हो सके। किस अवसर प्रखंड शिक्षा अधिकारी बिलरियागंज प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष केदारनाथ वर्मा एवं कोषाध्यक्ष हरिनाथ की संदर्भ दाता एवं प्रशिक्षण में सम्मिलित सभी शिक्षक एवं शिक्षिका बहने उपस्थित रही।

शतब्दी वर्ष पूर्ण होने पर आरएसएस की हुई बैठक,

आजमगढ़रातष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की एक बैठक गुरुवार देर शाम श्रीराम पुर इंटर कालेज में खंड कार्यवाह विक्रांत पांडेय की अध्यक्षता में संपन्न हुई।जिसमे जिला प्रचारक राजकुमार द्वारा संघ के सौ बर्ष पूर्ण होने पर खुशी जाहिर करते हुए आगामी कार्यक्रमों और अभियानों आदि पर विस्तृत चर्चा हुई। जिला प्रचारक राजकुमार ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हम सौ बर्ष पूर्ण होने पर आरएसएस का शताब्दी बर्ष मना रहे।पर अभी भी अभियान पूर्ण नहीं हुआ है।उन्होंने आगे कहा कि हम आगामी वर्षों में घर घर जाकर हिंदुओं को जागृत करने के साथ ही साथ हिंदू सम्मेलन आदि आयोजित करते रहेंगे।जिससे देश की संस्कृति और सभ्यता बची रहे।उन्होंने स्वयं सेवकों के त्याग और समर्पण की सराहना करने के साथ ही साथ आपस में समन्वय स्थापित करते हुए अभियान को पूर्ण गति देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सह खंड संचालक चंद्र वंश,जिला संपर्क प्रमुख राजेश सिंह,खंड समरसता प्रमुख कृष्ण चन्द पांडेय,बीजेपी पवई मंडल अध्यक्ष विजय सिंह,संतोष पांडेय राजेश पाण्डेय राममनी यादव आदि रहे।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, दूसरी शादी कर फिर किया शोषणय भाजपा मंडल अध्यक्ष विक्रांत सिंह बने सहारा

आजमगढ़ । जिले के कोतवाली देवगांव क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें युवती को शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण, प्रताड़ना और जान से मारने की कोशिश की गई। पीड़िता की शिकायत पर देवगांव पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, सीता गोंड पुत्री संतोष गोंड निवासी ग्राम चिलवीला पोस्ट मिडुका अबीरपुर बाना मेहनाजपुर थाना लालगंज ने आरोप लगाया है कि तो आरोपी फिर बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया और पल्हना में किराये के मकान में रखकर लगातार शोषण करता रहा। इस बीच पीड़िता को पता चला कि विकास यादव ने दूसरी शादी कर ली है। जब सीता ने आपत्ति जताई तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और कई दिनों तक कमरे में बंद कर रखा।पीड़िता का आरोप है कि 19 अगस्त 2025 को दोपहर लगभग 2 बजे आरोपी जबरन मोटरसाइकिल पर बैठाकर सुनसान जगह ले गया और

पड़ोस के गांव उचिया रसूलपुर निवासी विकास यादव पुत्र रविंद्र यादव ने वर्ष 2022 से बहला–फुसलाकर उससे शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी ने दो साल पहले वाराणसी में बजरंगबली मंदिर में शादी का नाटक रचकर उसे मुंबई ले गया, जहां 6 महीने साथ रखने के बाद फरार हो गया।सीता किसी तरह गांव लौटी उसकी हत्या करने की कोशिश की। शोर मचाने पर ग्रामीणों के जुटने पर आरोपी वहां से फरार हो गया।मामले की जानकारी मिलते ही समाजसेवी एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष विक्रांत सिंह तुरंत पीड़िता से मिले और पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए पुलिस और उच्चाधिकारियों को अवगत कराया।

जिलाधिकारी ने किया सीएम डैशबोर्ड के आधार पर विकास कार्यक्रमों की समीक्षा

आजमगढ जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में कल सायं कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड के आधार पर विकास कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। समीक्षा में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में ग्रेड बी तथा रैंक 44 आने पर पी.ओ.नेडा द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में लक्ष्य 11034 के सापेक्ष 1293 लाभार्थियों के यहां सिस्टम स्थापित किया गया है। जिस पर जिलाधिकारी ने विकास खंडवार तथा ग्राम पंचायतवार सूची खंड विकास अधिकारियों को उपलब्ध कराने हेतु डीएसटीओ को निर्देशित किया तथा योजना का प्रचार–प्रसार कर अधिक से अधिक लॉग इन करने एवं वेंडर चयनित करने हेतु खंड विकास अधिकारी तथा अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया।डे एनआरएलएम की माह जुलाई में सी ग्रेड प्राप्त हुई है। माह जुलाई में लक्ष्य 7180 के

सापेक्ष 3052 समूहों का सीसीएल वितरण किया गया है, जिस पर जिलाधिकारी ने शेष पत्रावलियों के निस्तारण हेतु क्षेत्रीय प्रबंधक अग्रणी बैंक को संबंधित बैंक प्रबंधकों के साथ बैठक कर पत्रावलियों का शीघ्र निस्तारण करने हेतु निर्देश दिया। जल जीवन मिशन योजना में बी ग्रेड तथा माह जुलाई में गृह जल संयोजन की प्रगति 94.04 प्रतिशत रही पायी गयी। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण को प्रगति बढ़ाकर अगले माह ए ग्रेड लाने हेतु निर्देशित किया। फैमिली आईडी में बी ग्रेड प्राप्त होने पर जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी हरैया, मोहम्मदपुर, तरवा, बिलरियागंज, तहबरपुर, जहानागंज में लंबित आवेदन अधिक मिलने पर बीडीओ से जानकारी मांगा। जिलाधिकारी ने सभी खंड विकास अधिकारी तथा अधिशासी अधिकारी नगर पालिकाध्नगर पंचायतो को प्रतिदिन 100 आवेदन करने तथा लक्ष्य के सापेक्ष 90 प्रतिशत से अधिक आवेदन न करने पर प्रतिकूल प्रविष्टि देने हेतु चेतावनी दी गयी। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारियों तथा अधिशासी अधिकारी नगर पालिकाध्नगर पंचायतों को निर्देश दिया कि अपने–अपने क्षेत्रों में प्रचार प्रसार कर लोगों को जागरूक किया जाए।15वां वित्त एवं 5वां वित्त आयोग में बी ग्रेड प्राप्त होने पर जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को अगले माह तक खंड विकास अधिकारियों से समीक्षा कर प्रगति बढ़ाकर ए ग्रेड प्राप्त करने हेतु निर्देशित किया। पर्यटन विभाग की समीक्षा में बी ग्रेड प्राप्त हुआ है। पर्यटन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया की माह जुलाई तक लक्ष्य 20 के सापेक्ष 18 परियोजनाएं पूर्ण कर ली गई है। शेष दो परियोजना के संबंध में अवर अभियंता द्वारा सही जानकारी नहीं दिए जाने पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा आगामी बैठक में अद्यतन सूचनाओं के साथ उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होने पर्यटन अधिकारी को प्रगति बढ़कर ए ग्रेड लाने हेतु निर्देशित किया।मिड डे मिल में सी ग्रेड तथा रैंक 56 प्राप्त हुआ है। विद्यार्थियों की उपस्थिति 77.41 प्रतिशत होने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि विद्यालय का समायोजन होने के कारण उपस्थिति बढ़ी है। जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति बढ़ाने तथा अगले माह तक ग्रेड में सुधार करने हेतु निर्देश दिया। सेतुओं के निर्माण की समीक्षा में बी ग्रेड पाये जाने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता निर्माण खंड 2 को निर्देशित किया कि बूढ़नपुर, दीदारगंज, बरदह मार्ग पर मघुई नदी सेतु की भौतिक प्रगति बढ़ाकर ग्रेड में सुधार लायें।लोक शिकायत सीएमआईएस की समीक्षा में सी ग्रेड प्राप्त होने पर जिलाधिकारी द्वारा समस्त कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया गया कि मैन पावर बढ़ाकर परियोजनाओं के निर्माण कार्य में प्रगति लाएं तथा सीएमआईएस पोर्टल पर परियोजनाओं की अध्ययन वित्तीय

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे सर्विस लेन के टर्निंग पॉइंट पर ब्रेकर ना होने की वजह से कार सीधे खाई में चली गई बाल बाल बचे कारसवार

आजमगढ़ जनपद के श्रीनगर सियरहां से होकर जाने वाली पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के सर्विस लेन पर सुबह लगभग 8रू00 बजे मऊ से लखनऊ के लिए जा रही स्विफ्ट डिजायर कार सियार के बाद टर्निंग पॉइंट पर ब्रेकर ना होने की वजह से गाड़ी अचानक सीधे चली गई जिसको बचाते बचाते भी खाई में जाना पड़ा कार सवार सभी लोग बाल बाल बच गए। कार में मां, बेटी और बेटे सवार थे। संजना राय पत्नी विवेकानंद राय निवासीनी किशुनदासपुर थाना कंधरापुर का पूरा परिवार लखनऊ में रहता है। वह किसी काम से अपने मायके मऊ गई हुई थी। मायके से वापसी के समय पूर्वांचल एक्सप्रेस पकड़ने के लिए श्रीनगर सियरहां के सर्विस लेने से सेहदा के लिए जा रही थी तभी आगे सर्विस लेन के टर्निंग पॉइंट पर पहुंचते ही गाड़ी सीधे गड्ढे में चली गई है जिससे गाड़ी का तो नुकसान हुआ लेकिन गाड़ी सवार लोग को थोड़ी बहुत चोटे आई जिनको वहां पर मौजूद लोगों द्वारा तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया। गाड़ी को क्रेन के माध्यम से सर्विस सेंटर पर ले जाया गया। इस तरह की घटना वहां आये दिन होती रहती है। वहां यूपीडा की तरफ से ब्रेकर बनवा दिया जाता तो शायद इस तरह की घटना नहीं होती। इसके लिए कई बार शासन में प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया गया। लेकिन उसके बाद भी ब्रेकर नहीं बनाया गया जिससे यह घटनाएं हो रही हैं।

डीआईजी सुनील कुमार सिंह ने दिलाई भरोसारू मंडल में कानून-व्यवस्था लगातार बेहतर

आजमगढ आजमगढ़ मण्डल, आजमगढ़ विवेक की अध्यक्षता में आज मण्डलायुक्त सभागार में पुलिस उप महानिरीक्षक सुनील कुमार सिंह, तीनों जनपदों के जिलाधिकारीध्पुलिस अधीक्षकध मुख्य विकास अधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आजमगढ़ श्री चिराग जैन तथा जेडी अभियोजन की उपस्थिति में कानून व्यवस्था की मण्डलीय समीक्षा बैठक आयोजित की गयी।मंण्डलायुक्त ने कहा कि पुराने लम्बित केसों के निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होने कहा कि वान्टेड अपराधी एवं दो वर्गों की शत्रुता से संबंधित केसों के निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होने कहा कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति को पीड़ित न किया जाए। उन्होने कहा कि बार्डर एरिया के क्षेत्रों में विशेष ध्यान दें, कहीं भी गोकशी, शराब, गाजा आदि की अवैध तस्करी न हो। उन्होने कहा कि पंचायत चुनाव के दृष्टिगत प्रधान एवं पूर्व प्रधान में विवाद की स्थिति को देखते हुए सतर्क रहें। कहीं से भी कोई विवाद से संबंधित सूचना प्राप्त होने पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें।इसके साथ ही मण्डलायुक्त महोदय ने पुलिस अधीक्षक बलिया एवं मऊ को आईजीआरएस में प्रदेश में प्रथम स्थान पाने पर बधाई दी।पुलिस उप महानिरीक्षक सुनील कुमार सिंह ने सभी अधिकारियों को पिछले त्यौहारों, रक्षा बंधन, विभाजन दिवस, 15 अगस्त, चेहल्लुम को सकुशल, शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराने पर बधाई दी। उन्होने आयुक्त महोदय को अवगत कराया कि मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा वीसी के माध्यम से कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होने बताया कि तीनों जनपदों के जिलाधिकारीध्पुलिस अधीक्षक लगातार अच्छा कार्य कर रहे हैं। उन्होने बताया कि बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का भी लगातार भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया गया है तथा कहीं भी जनहानिध्पशुहानि नही हुई है। उन्होने अवगत कराया कि जिलाधिकारीध्पुलिस अधीक्षक बलिया द्वारा विगत दिवस में महावीरी झण्डा कार्यक्रम भी सकुशल सम्पन्न कराया गया है।पुलिस उप महानिरीक्षक ने आयुक्त को अवगत कराया कि मण्डल में लगातार कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार हो रहा है, कुछ छोटी घटनाओं को छोड़कर कोई बड़ी आपराधिक घटना नही हुई है। उन्होने बताया कि लूट, फिरौती, छिनैती, गृह भेदन की कोई घटना नही हुई है। उन्होने बताया कि जो घटनाएं हुई हैं, उसमें अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की गयी तथा विवेचना भी पूर्ण कर ली गयी है। उन्होने कहा कि महिला अपराधों में भी कमी आयी है। उन्होने बताया कि आर्म्स, एनडीपीसी, गैंगेस्टर, गुण्डा एक्ट में पिछले साल की अपेक्षा गिरावट दर्ज की गयी है।पुलिस उप महानिरीक्षक ने आयुक्त महोदय को महिला अपराध, दहेज, पास्को, एससीध्एसटी, गुण्डा एक्ट, गैंगेस्टर, एनडीपीसी, आर्म्स एक्ट, लूट, हत्या, डकैती, फिरौती, छिनैती तथा गृह भेदन आदि की जिलेवार हुई घटनाओं एवं की गयी गिरफ्तारी, विवेचना, जांच आदि से संबंधित आवश्यक जानकारी से अवगत कराया।बैठक में बैठक में जिलाधिकारी आजमगढ़ रविंद्र कुमार, जिलाधिकारी मऊ प्रवीण मिश्रा, जिलाधिकारी बलिया मंगला प्रसाद सिंह, अपर आयुक्त

आयुक्तने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विकास कार्यो की शासन स्तर से जारी प्रगति व रैंकिंग के आधार पर किया मण्डलीय समीक्षा

आजमगढआयुक्त आजमगढ़ मंडल, आजमगढ़ विवेक की अध्यक्षता में आज मंडलायुक्त सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की माह जुलाई 2025 तक की शासन स्तर से जारी प्रगति व रैंकिंग के आधार पर मंडलीय अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।आयुक्त ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा करते हुए आजमगढ़, मऊ एवं बलिया के विभागीय अधिकारियों को संबंधित एलडीएम से समन्वय स्थापित करते हुए बैंकों में लंबित मामलों को निस्तारित करते हुए ग्रेडिंग एवं रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने जल जीवन मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत तीनों जनपदों

में चल रहे कार्यों में अपेक्षित प्रगति लाते हुए रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाओं को मोटिवेट करें। उन्होंने कहा की फैमिली आईडी बनाने में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सुधार लाया जाए।मंडलायुक्त ने पंचायती राज विभाग के 15वां एवं 5वें वित्त आयोग के कार्यों में तकनीकी कमियों को दूर कर रैंकिंग एवं ग्रेडिंग में सुधार आने पर लगातार इसको मेंटेन रखने के निर्देश दिए। उन्होने एसबीएम फेज–2 में त्वरित गति से कार्य कराते हुए अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। समीक्षा में पाया गया कि आजमगढ़ एवं मऊ में पर्यटन विभाग के कार्यों में सुधार हुआ है, परंतु बलिया में अपेक्षित प्रगति न होने एवं पर्यटन अधिकारी बलिया के अनुपस्थित पाए जाने पर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त किया। पर्यटन अधिकारी बलिया को तीन बार नोटिस देने के बाद भी अपेक्षित प्रगति न लाने एवं आज की बैठक में बिना बताए अनुपस्थित रहने पर आयुक्त ने विभागीय कार्यवाही करने हेतु शासन को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए।आयुक्त ने बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा में मध्यान्ह भोजन एवं छात्रों की उपस्थिति में गुणवत्तायुक्त सुधार लाने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने ट्रांसफार्मर को बदलने एवं विद्युत आपूर्ति में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अटल आवासीय विद्यालयों में विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था नियमानुसार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्युत बिल सुधार हेतु आने वाले आवेदनों पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित किया जाए। आयुक्त ने कहा कि विद्युत विभाग एवं जिला बेसिक शिक्षा आपस में समन्वय स्थापित कर स्कूलों के ऊपर से गए हाईटेंशन तारों को हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें।

विज़डम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 24 अगस्त 2025
sheelshukla100@gmail.com

.मीडिया पर सेंसरशिप लगाने वाली है बांग्लादेश की युनूस सरकार?

अंतरिम सरकार ने कहा कि टेलीविजन चौनलों, समाचार और ऑनलाइन पोर्टलों पर हसीना के ऑडियो का प्रसारण और प्रचार आतंकवाद विरोधी अधिनियम 2009 का गंभीर उल्लंघन है।बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को मीडिया संस्थानों को अवामी लीग की नेता और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के बयानों को प्रसारित या प्रचारित करने के खिलाफ चेतावनी जारी की और कहा कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के प्रेस विंग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि हम ऐसे आपराधिक प्रसार गतिविधियों में शामिल मीडिया अधिकारियों को चेतावनी दे रहे हैं और सभी को दृढ़ता से सूचित कर रहे हैं कि यदि भविष्य में कोई भी शेख हसीना के बयानों को प्रसारित करता है, तो तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अंतरिम सरकार ने कहा कि टेलीविजन चौनलों, समाचार और ऑनलाइन पोर्टलों पर हसीना के ऑडियो का प्रसारण और प्रचार आतंकवाद विरोधी अधिनियम 2009 का गंभीर उल्लंघन है। अंतरिम सरकार ने एक बयान में हसीना को ष्एक दोषी अपराधी और सामूहिक हत्याओं और मानवता के विरुद्ध अपराधों की आरोपी भगोड़ा बताया। 5 अगस्त, 2024 को एक सड़क आंदोलन के दौरान अपदस्थ की गईं हसीना पर अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में कई आरोपों में उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चल रहा है। हालाँकि, न्यायाधिकरण ने अभी तक उन्हें इनमें से किसी भी आरोप में दोषी नहीं ठहराया है। हसीना

के समर्थकों का कहना है कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। दिसंबर में, न्यायाधिकरण ने हसीना के बयानों के प्रसारण पर प्रतिबंध लगा दिया था।बयान में कहा गया है कि कुछ मीडिया संस्थानों ने कानून और अदालती आदेशों की अवहेलना करते हुए गुरुवार को हसीना का भाषण प्रसारित किया। बयान में कहा गया हमारे देश के इतिहास के इस महत्वपूर्ण क्षण में, हम कोई अनावश्यक भ्रम पैदा करने का जोखिम नहीं उठा सकते। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि शेख हसीना पर जुलाई के विद्रोह के दौरान सैकड़ों शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के नरसंहार का आदेश देने का आरोप लगने के बाद वे बांग्लादेश छोड़कर भाग गई थीं।

आपको ज्यादा प्राब्लम है तो...रूसी तेल खरीद पर ट्रंप को जयशंकर जैसा जवाब अभी तक किसी ने नहीं दिया होगा

एस जयशंकर ने कहा कि हम, एक सरकार के रूप में, अपने किसानों और छोटे उत्पादकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम इस पर पूरी तरह दृढ़ हैं। यह ऐसी बात नहीं है जिस पर हम समझौता कर सकें।विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस के साथ भारत के तेल व्यापार को लेकर अमेरिका और यूरोप को तीखा जवाब दिया। इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम 2025 में ट्रंप प्रशासन के हालिया आरोपों का जवाब देते हुए जयशंकर ने कहा कि अगर आपको भारत से तेल या रिफाइंड उत्पाद खरीदने में कोई समस्या है, तो उसे न खरीदें। कोई आपको इसे खरीदने के लिए मजबूर नहीं करता। उन्होंने आगे कहा कि यह हास्यास्पद है कि एक व्यापार–समर्थक अमेरिकी प्रशासन के लिए काम करने वाले लोग दूसरों पर व्यापार करने का आरोप लगा रहे हैं। लोग आपस में बात करते हैं। ऐसा नहीं है कि वहाँ कोई श्कुट्टीश है... जहाँ तक हमारा सवाल है, रेड लाइन मुख्य रूप से हमारे किसानों और कुछ हद तक हमारे छोटे उत्पादकों के हितों से जुड़ी हैं। एस जयशंकर ने कहा कि हम एक सरकार के रूप में अपने किसानों और छोटे उत्पादकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम इस पर पूरी तरह दृढ़ हैं। यह ऐसी बात नहीं है जिस पर हम समझौता कर सकें। विदेश मंत्रालय ने यह भी बताया कि रूसी तेल खरीदने वाला भारत अकेला नहीं है। चीन, यूरोपीय संघ और अन्य देशों के भी ऐसे ही संबंध हैं, जिन पर ऐसे दंड नहीं लगे हैं। जयशंकर ने तर्क दिया कि अमेरिका एक चयनात्मक और पक्षपातपूर्ण नीति अपना रहा है, और कहा कि चीन

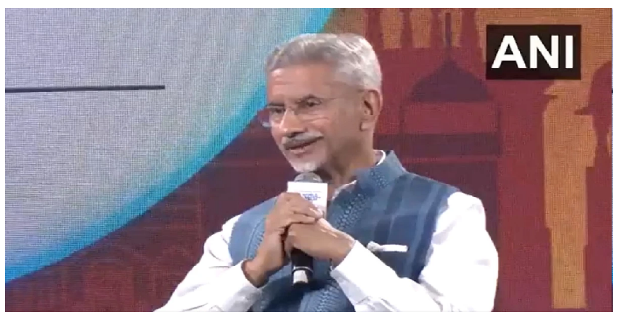

रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार बना हुआ है, फिर भी उसे ऐसी व्यापारिक कार्रवाइयों का सामना नहीं करना पड़ा है। उन्होंने पूछा कि हम सबसे बड़े खरीदार नहीं हैं। दूसरे भी ऐसा कर रहे हैं। तो फिर हम ही क्यों? उन्होंने दोहराया कि भारत की खघ्रीद वैश्विक बाजार की प्रथाओं और जरूरतों के अनुरूप है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने पहले भी भारत को रूस से खघ्रीद सहित वैश्विक ऊर्जा बाजारों को स्थिर करने में मदद के लिए प्रोत्साहित किया था। ये तीखी टिप्पणियाँ ट्रंप द्वारा रूस के साथ भारत के बढ़ते ऊर्जा व्यापार को लक्षित करते हुए 50: टैरिफ लगाने के बड़े कदम के बाद आई हैं जिसमें 25: अतिरिक्त जुर्माना भी शामिल है। भारत ने इस फैसले की निंदा करते हुए इसे ष्अनुचित, अनुचित और अविवेकपूर्णष बताया है और राष्ट्रीय हित में स्वतंत्र आर्थिक निर्णय लेने के अपने संप्रभु अधिकार पर जोर दिया है।

मस्क ने जिसे सांप बताया, उसे भारत भेज ट्रंप मोदी सरकार को देना चाह रहे ये संदेश

गोर की नियुक्ति मौजूदा राजदूत एरिक गार्सेटी की जगह होगी। जिन्हें डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में तैनात किया गया था। बाइडेन के सत्ता से हटने के बाद गार्सेटी अपने गृह राज्य कैलिफोर्निया लौट चुके हैं।अमेरिकी राजनीति से जुड़ी बड़ी खबर ये है कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने भरोसेमंद सहयोगी और व्हाइट हाउस के डायरेक्टर ऑफ प्रेसिडेंशियल पर्सनल सर्गियो गोर को भारत का नया राजदूत नामित किया है। अब ये नामाकंन अमेरिकी सीनेट की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। अगर गोर को मंजूरी मिल जाती है तो वो न सिर्फ भारत में अमेरिका के राजदूत बनेंगे। बल्कि उन्हें स्पेशल एनवॉय फॉर साउथ एंड सेंट्रल एशियन अफेयर्स की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी जाएगी। जिसके तहत पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे अहम देश आते हैं, जहां अभी तक अमेरिका के स्थायी राजदूत नियुक्त नहीं हुए हैं। कार्यभार संभालने के बाद 39 साल की उम्र में वो अब तक के भारत में अमेरिका के सबसे युवा राजदूत बन जाएंगे।

गोर की नियुक्ति मौजूदा राजदूत एरिक गार्सेटी की जगह होगी। जिन्हें डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में तैनात किया गया था। बाइडेन के सत्ता से हटने के बाद गार्सेटी अपने गृह राज्य कैलिफोर्निया लौट चुके हैं। दिलचस्प बात ये है कि ट्रंप जहां सर्गियो गोर की जमकर तारीफ करते हैं। वहीं अमेरिकी राजनीति में उन्हें लेकर कई विवाद सामने आते रहे हैं। हाल ही में एलन मस्क ने उन पर आरोप लगाया कि उन्होंने नासा से जुड़े मामलों में गलत तरीके से दखल दिया और अपने जन्मस्थान को लेकर झूठ बोला। मस्क ने उन्हें खुलकर सांप तक कहा। इसके अलावा ये विवाद भी उठा कि उन्होंने लंबे समय तक खुद को माल्टा में जन्मा बताया जबकि बाद में सामने आया कि वो उज्बेकिस्तान में पैदा हुए थे।पॉलिटिको की एक रिपोर्ट के अनुसार, गोर की नियुक्ति व्हाइट हाउस के राष्ट्रपति कार्मिक कार्यालय के पुनर्गठन या टैरिफ को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव के बीच भारत के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के लिए नहीं है, बल्कि मोदी सरकार को यह संदेश देने के लिए है

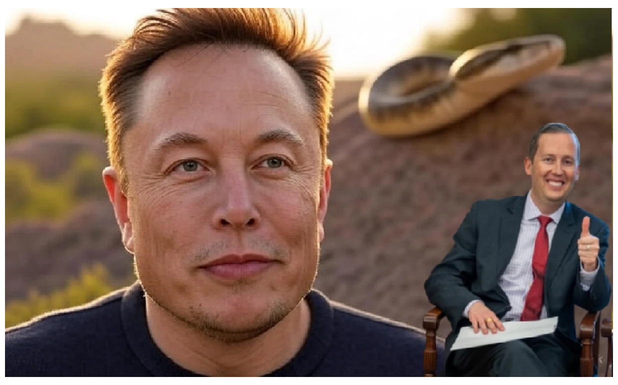

कि बातचीत गंभीर होनी चाहिए। पॉलिटिको ने इस मामले से वाकिफ एक व्यक्ति के हवाले से कहा कि राष्ट्रपति अपने बेहद करीबी एक दूत को भेजकर मोदी सरकार को एक सशक्त संकेत दे रहे हैं। सर्जियो एक स्पष्ट संकेत हैं कि बातचीत गंभीर होनी चाहिए। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान उनके पूर्व वरिष्ठ सलाहकार स्टीव बैनन ने स्वीकार किया है कि गोर को भारतीय नीतिगत मुद्दों की कोई जानकारी नहीं है, लेकिन उनका मानना घ्है कि गोर एक श्तेज समझश वाले व्यक्ति हैं, जिन पर राष्ट्रपति बहुत भरोसा करते हैं। बैनन ने कहा, यदि मैं भारत में ख्प्रधानमंत्री नरेन्द्र, मोदी हूं और मैं यह बात ऐसे व्यक्ति के रूप में कह रहा हूं जो इस रिश्ते का समर्थक है – तो मैं इससे बेहतर विकल्प के बारे में नहीं सोच सकता। गोर का जन्म नवंबर 1986 में ताशकंद, उज्बेकिस्तान में हुआ था, जब वह सोवियत समाजवादी गणराज्य संघ (न्न्त) का हिस्सा था।

उनका परिवार 1999 में अमेरिका आ गया था। उन्होंने 2020 में पहले मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (मागा) कैंपेन के दौरान ट्रम्प के साथ काम करना शुरू किया। 2024 में ट्रम्प के पदभार ग्रहण करने के बाद, उन्हें व्हाइट हाउस के राष्ट्रपति कार्मिक कार्यालय का निदेशक नियुक्त किया गया।

मोदी के चीन जाने से पहले जिनपिंग का बड़ा धोखा, एक्शन में भारत

चीनी विदेश मंत्री वांग यी भारत के विदेश मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उच्चस्तरीय बैठकें करने और उसके बाद अफगानिस्तान का दौरा करने के बाद 20 अगस्त को पाकिस्तान पहुँचे। पांच साल बाद चीन के विदेश मंत्री भारत पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भारत के एनएसए अजित डोभाल, विदेश मंत्री एस जयशंकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक से मुलाकात की। लेकिन इस मुलाकात में कुछ बातें ऐसी भी हुई जिसने पाकिस्तान में खलबली मचा दी। वहीं दूसरी तरफ भारत और रूस के विदेश मंत्रियों ने मॉस्को में वार्ता की। लेकिन इस मुलाकातों से इतर एक और खिचड़ी भारत के पड़ोस में पकती नजर आई। पाकिस्तान और चीन के विदेश मंत्रियों ने इस्लामाबाद में मुलाकात की। चीनी विदेश मंत्री वांग यी भारत के विदेश मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उच्चस्तरीय बैठकें करने और उसके बाद अफगानिस्तान का दौरा करने के

बाद 20 अगस्त को पाकिस्तान पहुँचे।भारत अपने पड़ोस में हो रहे इन घटनाक्रमों पर कड़ी नजर रख रहा है। इस्लामाबाद में, वांग यी ने पाकिस्तान के उप–प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार के साथ विदेश मंत्रियों की रणनीतिक वार्ता के छठे दौर में भाग लिया। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने पाकिस्तान–चीन संबंधों के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा की और महत्वपूर्ण क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) 2.0, व्यापार एवं आर्थिक संबंधों, बहुपक्षीय सहयोग और लोगों के बीच संबंधों सहित द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर गहन विचारों का आदान–प्रदान भी किया। पाकिस्तान और चीन के बीच सदाबहार रणनीतिक सहयोग साझेदारी पर प्रकाश डालते हुए, दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि दोनों देशों के बीच मित्रता क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, और उनकी पारस्परिक प्रगति एवं समृद्धि के लिए अपरिहार्य है। उन्होंने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय मंचों पर घनिष्ठ समन्वय और संवाद जारी रखने की भी प्रतिबद्धता जताई। हालाँकि, इस बैठक का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा, खासकर इसलिए क्योंकि चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से होकर गुजरता है, जिस पर भारत अपना दावा करता है। भारत ने इस परियोजना का लगातार विरोध किया है और इसे अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया है।

ह्मपुत्र पर बांध, अचानक जिनपिंग का हिमालय पार पहुंचना संयोग नहीं, भारत की बढ़ेगी चिंता?

विशेषज्ञों के अनुसार, सीपीईसी ढांचे के तहत पाकिस्तान और चीन के बीच बढ़ती नजदीकी भारत के लिए

एक नई सुरक्षा चुनौती पेश करती है, खासकर ऐसे समय में जब भारत–चीन सीमा पर तनाव बना हुआ है और भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज में कूटनीति के प्रोफेसर डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव, भारत के लिए सीपीईसी के रणनीतिक निहितार्थों की व्याख्या करते हैं।

3600 करोड़ की पेटिंग, 2500 करोड़ का महल, इतनी लैविश लाइफ जीते हैं सऊदी के प्रिंस

प्रिंस की रईसी का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि उन्होंने अपने 25वें जन्मदिन पर मालदीव में एक आइलैंड ही किराए पर ले लिया था। इसके लिए एक दिन का खर्च 57 करोड़ रुपए था।सऊदी अरब का नाम सामने आते ही अमीरी, शाही परिवार के सोने से महल और शानो शौकत याद आ जाती है। सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अपनी लग्जरी लाइफ स्टाइल के लिए मशहूर हैं। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान सऊदी शाही परिवार के टॉप टेन रईसों में से शामिल हैं। 1995 में जन्में मोहम्मद बिन सलमान के बारे में कहा जाता है कि वो जिस चीज पर हाथ रख दे वो उनकी हो जाती है। साल 2017 में उन्हें सऊदी का क्राउन प्रिंस घोषित किया गया। प्रिंस की लग्जरी लाइफ के ढेरों किस्से हैं। साल 2015 की बात है प्रिंस सलमान फ्रांस में छुट्टी मना रहे थे। समुद्र किनारे बैठे बैठे उन्होंने एक यार्ट देखी। क्राउन प्रिंस को वो यार्ट पसंद आ गई। उन्होंने महज 2 घंटे में सौदा तय किया और 3 हजार 300 करोड़ रुपए में यार्ट क्राउन प्रिंस की हो गई। प्रिंस की रईसी का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि उन्होंने अपने 25वें जन्मदिन पर मालदीव में एक आइलैंड ही किराए पर ले लिया था। इसके लिए एक दिन का खर्च 57 करोड़ रुपए था। साल 2015 में फ्रांस में दुनिया का सबसे महंगा घर बिका और वो खबरों में भी रहा। साल 2017 में खबर आई कि इस घर का मालिक और कोई नहीं बल्कि क्राउन प्रिंस

मोहम्मद बिन सलमान हैं। इस घर की कीमत उस समय करीब 21 अरब 48 करोड़ रुपए थी। 17वीं सदी के इस घर में फव्वारों के अलावा साउंड, लाइट्स, एयर कंडीशनिंग सिस्टम है। सभी को सिर्फ एक आईफोन से कंट्रोल किया जा सकता है। इस घर में दुनियाभर की शराब के लिए एक बड़ा सा हॉल है। मोहम्मद बिन सलमान बहुत सारी लग्जरी कारों और प्राइवेट जेट के भी मालिक हैं। शाही परिवार का सदस्य होने के नाते उनके पास दुनिया की सबसे लग्जरी गाड़ियां और एयर क्रऑफ्ट हैं।

कार कलेक्शन की बात करें तो मोहम्मद बिन सलमान लगभग तीन मिलियन डॉलर की बुगाटी नेरॉन के मालिक हैं, जो कि दुनिया की सबसे महंगी और तेज गाड़ियों में से एक है। लग्जरी लाइफ स्टाइल की बात इतने में खत्म नहीं होती। साल 2017 में 34 अरब रुपए की लिओनार्दो दा विंची की एक पेंटिग खरीदी थी। इसके अलावा उनके पास 31 अरब का लग्जरी यार्ट है।

पाकिस्तान में कारखानों से ज्यादा हैं मस्जिदें और मदरसे, यही बात भारत के लिए बड़ा खतरा है

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था छोटे कारोबारों और सेवा क्षेत्र पर टिकी है, जबकि उत्पादन क्षेत्र जो दीर्घकालिक विकास और निर्यात का आधार होता है, वह पिछड़ा हुआ है। यह असंतुलन पाकिस्तान की वित्तीय कमजोरी को समझने में मदद करता है। पाकिस्तान की हालिया आर्थिक जनगणना रिपोर्ट ने एक बेहद दिलचस्प और चिंताजनक तस्वीर उजागर की है। आँकड़े बताते हैं कि पाकिस्तान में कारखानों से कहीं अधिक मस्जिदें और मदरसे मौजूद हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में केवल 23,000 कारखाने हैं, जबकि मस्जिदों की संख्या 6.04 लाख और मदरसों की संख्या 36,000 से अधिक है। यह आँकड़ा सिर्फ धार्मिक प्राथमिकताओं की झलक नहीं देता, बल्कि यह भी बताता है कि पाकिस्तान का सामाजिक ढाँचा किस दिशा में झुक गया है। वहीं दूसरी खबर, पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश–ए–मोहम्मद के धनसंग्रह अभियान की है, जो मस्जिदों और मरकज के निर्माण की आड़ में अरबों रुपये इकट्ठा कर रहा है। ये दोनों घटनाएँ मिलकर यह स्पष्ट करती हैं कि पाकिस्तान का धार्मिक संस्थानों पर अत्यधिक झुकाव और आतंकवाद का तंत्र आपस में किस तरह गुँथे हुए हैं। रिपोर्ट बताती है कि पाकिस्तान में शिक्षा संस्थानों की भी अच्छी–खासी संख्या है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में 2.42 लाख स्कूल, 11,568 कॉलेज और 214 विश्वविद्यालय हैं। लेकिन इनकी तुलना मस्जिदों और मदरसों से की जाए तो साफ है कि धार्मिक संस्थानों की संख्या कहीं ज्यादा है। इसके अलावा, उद्योग और उत्पादन की स्थिति बेहद कमजोर है। रिपोर्ट के मुताबिक केवल 7,000 से थोड़ा अधिक इकाइयाँ ही ऐसी हैं जहाँ 250 से अधिक लोग काम करते हैं। इसका अर्थ है कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था छोटे कारोबारों और सेवा क्षेत्र पर टिकी है, जबकि उत्पादन क्षेत्र, जो दीर्घकालिक विकास और निर्यात का आधार होता है, वह पिछड़ा हुआ है। यह असंतुलन पाकिस्तान की वित्तीय कमजोरी को समझने में मदद करता है। देखा जाये तो उद्योग और विनिर्माण में निवेश की कमी के कारण ही आज पाकिस्तान प्डथ् से कर्ज की किस्तों के लिए जूझ रहा है। वहीं, दूसरी खबर इस तस्वीर को और गहरा करती है। जैश–ए–मोहम्मद ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुए भारी नुकसान के बाद 313 नए मरकज और मस्जिदों के निर्माण के नाम पर 3.91 अरब रुपये जुटाने का अभियान शुरू किया है। दिलचस्प यह है कि इसके लिए संगठन ने डिजिटल वॉलेट (जैसे ईजीपैसा, सदापे) और सोशल मीडिया अपीलों का सहारा लिया है। यानी एक तरफ पाकिस्तान

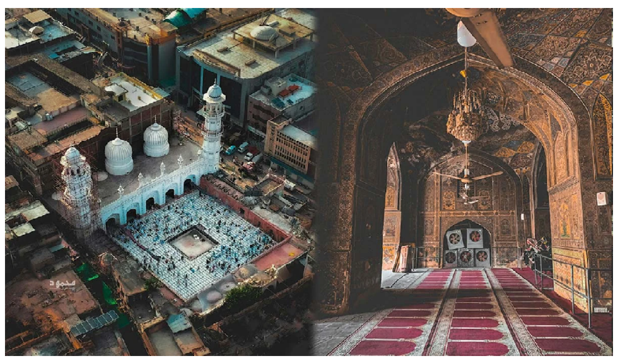

की जमीन पर मस्जिदों का जाल फैला हुआ है और दूसरी तरफ इन्हीं मस्जिदों की आड़ में आतंकवादी ढाँचे का पुनर्निर्माण हो रहा है। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान सरकार और सेना पर लंबे समय से यह आरोप लगता रहा है कि वह आतंकवादी संगठनों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष समर्थन देते हैं। लेकिन इस बार तो स्थिति और स्पष्ट है क्योंकि सरकार खुद उन इमारतों के पुनर्निर्माण के लिए धन मुहैया कराने को तैयार है जिन्हें भारतीय हमलों में नष्ट किया गया था। जबकि आम जनता महँगाई और बेरोजगारी से जूझ रही है। देखा जाये तो पाकिस्तान की प्राथमिकताएँ शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग न होकर धार्मिक प्रतिष्ठान और आतंकवादी इन्फ्रास्ट्रक्चर बन गए हैं। इन दोनों खबरों से भारत के लिए दो बड़े संकेत निकलते हैं। पहला यह है कि पाकिस्तान की सामाजिक संरचना में मस्जिदें और मदरसे सिर्फ धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि आतंकी संगठनों के लिए जनबल और वित्त जुटाने का तंत्र भी हैं। दूसरा संदेश यह है कि जब तक पाकिस्तान अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं को उद्योग और रोजगार की ओर नहीं मोड़ेगा, तब तक धार्मिक उन्माद और आतंकवाद ही उसकी अर्थव्यवस्था और राजनीति पर हावी रहेंगे।

बहरहाल, पाकिस्तान की आर्थिक जनगणना और जैश–ए–मोहम्मद का फंडरेजिंग अभियान मिलकर इस बात को उजागर करते हैं कि वहाँ की राज्य व्यवस्था, धार्मिक कट्टरवाद और आतंकवाद का गठजोड़ किस तरह देश के भविष्य को बर्बाद कर रहा है। कारखानों से ज्यादा मस्जिदें और मदरसे होना सिर्फ धार्मिक झुकाव का आँकड़ा नहीं है, बल्कि यह उस मानसिकता का प्रमाण है जिसमें विकास और रोजगार पीछे छूट गए हैं और आतंकवाद पोषित होता रहा है। यही पाकिस्तान की सबसे बड़ी त्रासदी है और भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

विदेश मंत्री ने भारत को दिया बातचीत का अश्वफर, कहा– कश्मीर समेत सभी लंबित मुद्दों पर...

भारतीय कार्रवाई के बाद, पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। भारतीय सेना ने कई पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर भीषण जवाबी हमला किया।विदेश मंत्री इशाक डार ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान कश्मीर और अन्य सभी लंबित मुद्दों पर चर्चा के लिए भारत के साथ व्यापक बातचीत के लिए तैयार है। स्लामाबाद में संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए, जहाँ उनसे भारत के साथ बातचीत के बारे में पूछा गया था, डार ने कहा बातचीत, जब भी होगी, सिर्फ कश्मीर पर ही नहीं, बल्कि सभी मुद्दों पर होगी। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह पाकिस्तान के साथ केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की वापसी और आतंकवाद के मुद्दे पर ही बातचीत करेगा। उप–प्रधानमंत्री डार ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान ने शुरू से ही स्पष्ट कर दिया था कि भारत के साथ बातचीत किसी एक–सूत्री एजेंडे पर नहीं होगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने किसी मध्यस्थता का अनुरोध नहीं किया था, बल्कि उसे एक तटस्थ स्थान पर बैठक की पेशकश की गई थी। उन्होंने दावा किया, हमें एक तटस्थ स्थान पर बैठक करने के लिए कहा गया था और मैंने कहा कि अगर ऐसा है, तो हम मिलने को तैयार हैं। डार ने बताया कि उन्हें अमेरिका से भारत के साथ युद्धविराम का आह्वान मिला था। डार ने कहा कि मुझे अमेरिका से युद्धविराम का आह्वान मिला था। मैंने स्पष्ट कर दिया था कि पाकिस्तान युद्ध नहीं चाहता। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। इसके जवाब में 7 मई की सुबह श्ऑपरेशन सिंदूरश के तहत आतंकवादी ढाँचों पर सटीक हमले किए। भारतीय कार्रवाई के बाद, पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। भारतीय सेना ने कई पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर भीषण जवाबी हमला किया। चार दिनों तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद, भारत और पाकिस्तान 10 मई को संघर्ष समाप्त करने के लिए एक समझौते पर पहुँचे।

पूर्व अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार ने भारत पर टैरिफ लगाने को लेकर की थी आचोलना, घर पर पहुंच गए

बोल्टन अप्रैल 2018 से सितंबर 2019 तक ट्रंप के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे। एनबीसी के अनुसार, एक एफबीआई अधिकारी ने शुक्रवार को कहा, एफबीआई इस क्षेत्र में अदालत द्वारा अधिकृत गतिविधि कर रही है।एफबीआई एजेंटों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और राष्ट्रपति के कट्टर आलोचक जॉन बोल्टन के मैरीलैंड स्थित घर पर छापा मारा। इस मामले से परिचित एक व्यक्ति ने एनबीसी न्यूज को बताया कि यह छापा गोपनीय रिकॉर्ड की तलाश में राष्ट्रीय सुरक्षा जाँच का हिस्सा है। जाँच में गोपनीय दस्तावेजों के इस्तेमाल से समाचार मीडिया को लीक होने के कई मामलों पर नजर रखी जा रही है। एनबीसी ने बताया कि बोल्टन की जाँच बाइडेन प्रशासन के दौरान शुरू हुई थी, लेकिन जनवरी में राष्ट्रपति जो बाइडेन के पद छोड़ने से पहले यह आगे नहीं बढ़ पाई। बोल्टन अप्रैल 2018 से सितंबर 2019 तक ट्रंप के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे।बोल्टन अप्रैल 2018 से सितंबर 2019 तक ट्रंप के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे। एनबीसी के अनुसार, एक एफबीआई अधिकारी ने शुक्रवार को कहा, एफबीआई इस क्षेत्र में अदालत द्वारा अधिकृत गतिविधि कर रही है। जन सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। लेकिन बोल्टन पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। इस बयान से संकेत मिलता है कि एक न्यायाधीश ने वाशिंगटन डीसी के ठीक बाहर बेथेस्डा स्थित बोल्टन के आवास के लिए तलाशी वारंट पर हस्ताक्षर किए हैं। ये छापा ऐसे वक्त में पड़ा है, जब बोल्टन ने एक इंटरव्यू में ट्रंप को उनकी टैरिफ पॉलिसी को लेकर श्सनकी राष्ट्रपतिश बताते हुए आलोचना की थी। उन्होंने ये भी कहा था कि अमेरिका–भारत संबंध इस समय बहुत बुरी स्थिति में हैं। ट्रंप प्रशासन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया, लेकिन एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने एक क्रिप्टिक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि कानून से ऊपर कोई नहीं, एफबीआई एजेंट मिशन पर हैं। ये ट्वीट छापे की शुरुआत के कुछ समय बाद किया गया था।

अजीत अगरकर 2026 तक बने रहेंगे प्रमुख चयनकर्ता, बीसीसीआई ने बढ़ाया कार्यकाल

नईदिल्ली भारतीय क्रिकेट टीम के प्रमुख चयनकर्ता अजीत अगरकर के काम से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) खुश है और ऐसी खबर है कि उनके कार्यकाल को बढ़ा दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगरकर अब जून 2026 तक इस पद पर बने रहेंगे। बता दें कि हाल ही में अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति ने एशिया कप 2025 के लिए टीम की घोषणा की थी।बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया, उनके (अगरकर) कार्यकाल में भारतीय टीम ने खिताब जीते थे और टेस्ट व टी–20 में बदलाव का दौर भी देखा। बोर्ड ने उनका अनुबंधा जून 2026 तक बढ़ा दिया था और वह कुछ महीने पहले इस प्रस्ताव को स्वीकार कर चुके हैं। बता दें कि अगरकर के कार्यकाल के दौरान ही विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने टेस्ट और टी–20 से संन्यास लिया। अगरकर का पहला कार्यकाल जून 2023 में शुरू हुआ था और तब से भारतीय टीम ने 2024 का टी–20 विश्व कप और इस साल की शुरुआत में चौंपियंस ट्रॉफी जीती है। अगरकर के नेतृत्व में भारतीय टीम 2023 के वनडे विश्व कप के फाइनल में भी पहुंची थी। हालांकि, खिताबी मुकाबले में भारत को ऑस्ट्रेलिया से शिकस्त का सामना करना पड़ा था। अगरकर के कार्यकाल के दौरान ही रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट से संन्यास लिया।अगरकर की अध्यक्षता वाली वर्तमान चयन समिति में शिव सुंदर दास, सुब्रतो बनर्जी, अजय रात्रा और श्रीधरन शरथ शामिल हैं। हालांकि, सितंबर में होने वाली वार्षिक आम सभा की बैठक के बाद कुछ बदलाव होने की उम्मीद है। शरथ का जूनियर चयन समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल सितंबर 2021 में शुरू हुआ और जनवरी 2023 में उन्हें सीनियर चयन समिति में पदोन्नत किया गया था। बोर्ड उनकी जगह किसी नए चेहरे को नियुक्त कर सकता है।ऐसी भी खबर है कि बीसीसीआई मौजूदा चयन समिति से खुश है और इसमें केवल एक बदलाव कर सकता है। बोर्ड सीनियर महिला और जूनियर पुरुष चयन समितियों के लिए भी आवेदन आमंत्रित करेगा। महिला समिति की अध्यक्ष नीतू डेविड, आरती वैद्य और मिथु मुखर्जी के साथ चयनकर्ता के रूप में 5 साल पूरे कर रही हैं। बोर्ड के नियमों के अनुसार, सदस्य अधिकतम 5 साल तक अपने पद पर बने रह सकते हैं।

श्रेयस अय्यर हो सकते हैं वनडे क्रिकेट में भारतीय टीम के अगले कप्तान

नईदिल्ली एशिया कप 2025 के लिए चुनी गई भारतीय क्रिकेट टीम के दल में श्रेयस अय्यर का नाम नहीं है, जिसके बाद चयन समिति पर सवाल उठे। कई पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों का मानना है कि श्रेयस के साथ अन्याय हुआ। अब चर्चा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) उन्हें वनडे क्रिकेट टीम का अगला कप्तान बना सकती है, जबकि शुभमन गिल टी–20 टीम की कप्तानी की दौड़ में सबसे आगे हैं।रिपोर्ट के अनुसार, श्रेयस भारतीय टी–20 टीम में चुने जाने के करीब थे। हालांकि, 15 सदस्यीय टीम ले जाने के कारण उनका चयन नहीं हुआ। बीसीसीआई के सूत्र ने कहा, कुछ दिन पहले ही बीसीसीआई के अधिकारियों के बीच भारतीय टीम के तीनों प्रारूप के भविष्य को लेकर चर्चाएं हुई थीं। इंग्लैंड दौरे से पहले गिल को कप्तान बनाने का निर्णय भी लंबे समय तक उनकी नेतृत्व क्षमता को देखकर किया गया था।

बीसीसीआई के सूत्र ने आगे कहा, देखिए चौंपियंस ट्रॉफी तक परिस्थिति के हिसाब से निर्णय लिया गया था। इस समय इतना क्रिकेट हो रहा है तो कोई भी खिलाड़ी तीनों प्रारूप में लगातार कप्तान के तौर पर नहीं खेल सकता है। ऐसे में गिल को टेस्ट की कप्तानी दी गई और टी–20 में उन्हें भविष्य के कप्तान के तौर पर देखा जा रहा है। रोहित अब 38 साल के हो गए हैं। ऐसे में जल्द श्रेयस को ये जिम्मेदारी मिलेगी।

रिपोर्ट्स की मानें तो इस साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाली वनडे सीरीज रोहित और विराट कोहली की आखिरी अंतरराष्ट्रीय सीरीज हो सकती है। बीसीसीआई के सूत्र के अनुसार ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कप्तान कौन होगा, इसको लेकर एशिया कप के बाद बैठक होगी। बीसीसीआई के अधिकारी रोहित और कोहली से बात करके भविष्य की रणनीति बनाएंगे। सूर्यकुमार यादव 34 साल के हो गए हैं। इस कारण टी–20 अंतरराष्ट्रीय में अगला कप्तान देखा जा रहा है।श्रेयस ने अपना पहला वनडे मुकाबला साल 2017 में श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ खेला था। उन्होंने अब तक 70 वनडे मुकाबले खेले हैं और इसकी 65 पारियों में 48.22 की उम्दा औसत के साथ 2,845 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 5 शतक और 22 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 128' रन रहा है। अय्यर ने अपने वनडे करियर में सबसे ज्यादा रन (484) न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ बनाए हैं।टीमरू सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या और जितेश शर्मा। रिजर्व खिलाड़ीरू प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल और यशस्वी जायसवाल। भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा।

इंग्लैंड ने किया अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान, हीथर नाइट को स्क्वाड में मिली जगह

महिला वनडे वर्ल्ड 2025 के लिए इंग्लैंड ने अपनी 15 सदस्यीय महिला टीम का ऐलान कर दिया है। जहां पूर्व कप्तान हीथर नाइट को स्क्वॉड में जगह मिली है। वहीं टीम में साराह ग्लेन और डेनी व्याट–हॉज की भी वापसी हुई है। आगामी महिला वनडे वर्ल्ड 2025 के लिए इंग्लैंड ने अपनी 15 सदस्यीय महिला टीम का ऐलान कर दिया है। जहां पूर्व कप्तान हीथर नाइट को स्क्वॉड में जगह मिली है। वहीं टीम में साराह ग्लेन और डेनी व्याट–हॉज की भी वापसी हुई है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (म्ब्ठ) द्वारा जारी प्रेस रिलीज के अनुसार नाइट को टीम में शामिल किया गया है लेकिन उनकी चोट से उबरने की प्रक्रिया जारी है और उन्हें 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाले टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है। साथ ही टीम में शामिल चार अनुभवी स्पिनरों में से ग्लेन एक हैं। वह उन छह खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें पहली बार विश्व कप टीम में जगह मिली है। इसके अलावा यह कप्तान के रूप में नैट स्किवर–ब्रंट का पहला आईसीसी टूर्नामेंट है।

बता दें कि, दुनिया की नंबर एक वनडे बल्लेबाज स्किवर–ब्रंट को अप्रैल में सभी प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया गया था। व्याट–हॉज की भी टीम में वापसी हुई है। वह इंग्लैंड की ओर से पिछली बार 50 ओवर के प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में हार के दौरान खेली थी। केट क्रॉस, माइया बूचियर और एलिस डेविडसन–रिचर्ड्स को टीम में जगह नहीं मिली है। यह टूर्नामेंट नई कप्तान स्किवर–ब्रंट और मुख्य कोच चार्लोट एडवर्ड्स में मार्गदर्शन में देश का पहला विश्व कप होगा। ऑस्ट्रेलिया ने 2022 के फाइनल में इंग्लैंड को हराकर खिताब जीता था। एडवर्ड्स ने कहा कि, विश्व कप में अपने देश के लिए खेलना खेल जगत के सबसे बड़े सम्मान में से एक है और मैं टीम में शामिल सभी खिलाड़ियों के लिए बहुत खुश हूं। इंग्लैंड की कोच ने आगे कहा कि, सभी वैश्विक टूर्नामेंटों की तरह यह एक बड़ी चुनौती होगी लेकिन हम भारत में जितना हो सके उतना आगे बढ़ना चाहते हैं और मेरा मानना घ्है कि अगर हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलेंगे तो हम किसी से भी मुकाबला कर सकते हैं। इंग्लैंड टीम इस प्रकार है– नैट स्किवर–ब्रंट (कप्तान), एम अर्लोट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एकलेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, ऐमा लैम्ब, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट–हॉज।

खेल मंत्रालय का बड़ा फैसला, पाकिस्तान से द्विपक्षीय खेल नहीं होंगे, लेकिन एशिया कप..

एशिया कप 2025 से पहले खेल मंत्रालय का बयान सामने आ गया है। खेल मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय खेल मुकाबले नहीं होंगे लेकिन भारतीय टीम को एशिया कप में खेलने से नहीं रोका जाएगा। टी20 एशिया कप 2025 के शेड्यूल के ऐलान होते ही बीसीसीआई की चारों तरफ आलोचना होने लगी। जिसके बाद कहा जाना लगा कि, भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान के खिलाफ 14 सितंबर को होने वाले मैच से पीछे हट जाना चाहिए। भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते अच्छे नहीं हैं। भारतीय चाहते हैं कि जब भारत से पाकिस्तान परस्त आतंकवाद खत्म न हो तब तक पाकिस्तान के साथ किसी भी तरह का कोई खेल या कोई भी संबंध नहीं रखना चाहिए। इस बीच खेल मंत्रालय का बयान सामने आ गया है। खेल मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय खेल मुकाबले नहीं होंगे लेकिन भारतीय टीम को एशिया कप में खेलने से नहीं रोका जाएगा। दरअसल, गुरुवार को खेल मंत्रालय ने भारत के अंतर्राष्ट्रीय खेल संबंधों के संबंध में नई नीति जारी की है, जिसमें खास तौर पर पाकिस्तान के साथ संबंधों पर जोर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार ये नीति तुरंत प्रभावी हो गई है। पीटीआई के मुताबिक, खेल मंत्रालय की नीति में कहा गया है कि, पाकिस्तान से जुड़े खेल आयोजनों मेंभारत का दृष्टिकोण उसी व्याप नीति को दर्शाता है जो उस देश के साथ भारत के संबंधों में अपनाई गई है। जहां तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय खेल आयोजनों का सवाल है तो भारतीय टीम पाकिस्तान में होने वाले मुकाबलों में हिस्सा नहीं लेगी। पाकिस्तान की टीमें भी भारत में द्विपक्षीय मैच खेलने की अनुमति नहीं पाएंगी। वहीं मंत्रालय के एक स्त्रोत ने कहा कि, हम भारतीय क्रिकेट टीम को एशिया कप में खेलने से नहीं रोकेंगे, क्योंकि ये एक बहुदेशीय प्रतियोगिता है। उन्होंने आगे कहा कि, पाकिस्तान को द्विपक्षीय मुकाबलों के लिए भारतीय धरती पर खेलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन बहुपक्षीय आयोजनों में उनकी भागीदारी पर रोक नहीं होगी क्योंकि हम ओलंपिक चार्टर पर पालन करेंगे। ये नीति भारत–पाकिस्तान के खेल संबंधों में स्पष्ट दूरी रखती है जबकि अंतर्राष्ट्रीय खेल में भागीदारी को जारी रखने का संदेश भी देती है।

अनिल अंबानी की कम नहीं हो रही मुश्किलें, इडी के बाद अब सीबीआई ने मारा छापा

एसबीआई ने 13 जून को धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन पर भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर निर्देशों और धोखाधड़ी के वर्गीकरण, रिपोर्टिंग और प्रबंधन पर बैंक के बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार आरकॉम और अंबानी को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया था। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) और इसके प्रमोटर निदेशक अनिल अंबानी से जुड़े परिसरों पर कथित बैंक

धोखाधड़ी के सिलसिले में छापेमारी की, जिससे भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। मुंबई में कई जगहों पर तलाशी ली गई। एसबीआई ने 13 जून को धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन पर भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर निर्देशों और धोखाधड़ी के वर्गीकरण, रिपोर्टिंग और प्रबंधन पर बैंक के बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार आरकॉम और अंबानी को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा 66 वर्षीय व्यवसायी से उनके समूह की कंपनियों के खिलाफ कथित तौर पर करोड़ों रुपये के कई बैंक ऋण धोखाधड़ी मामलों से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के कुछ सप्ताह बाद यह तलाशी ली गई।

भारत-पाकिस्तान मुकाबले को मिली हरी झंडी? खेल मंत्रालय ने कह दी बड़ी बात

खेल मंत्रालय ने गुरुवार को पाकिस्तान पर जोर देते हुए भारत के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों पर एक नई नीति जारी की, जिससे यह पुष्टि होती है कि केंद्र भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को पाकिस्तान के साथ होने वाले मैच में हिस्सा लेने से नहीं रोकेगा, लेकिन द्विपक्षीय क्रिकेट संबंधा अभी भी टूटे रहेंगे।14 सितंबर को दुबई में होने वाले 2025 एशिया कप में भारत–पाकिस्तान के बीच मुकाबले को भारत सरकार से हरी झंडी मिल गई है। खेल मंत्रालय ने गुरुवार को पाकिस्तान पर जोर देते हुए भारत के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों पर एक नई नीति जारी की, जिससे यह पुष्टि होती है कि केंद्र भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को पाकिस्तान के साथ होने वाले मैच में हिस्सा लेने से नहीं रोकेगा, लेकिन द्विपक्षीय क्रिकेट संबंधा अभी भी टूटे रहेंगे। भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल आयोजनों में शामिल न होने की अपनी नीति पर अडिग है। खेल

मंत्रालय ने 21 अगस्त को कहा कि भारतीय टीमें पाकिस्तान नहीं जाएँगी और न ही किसी द्विपक्षीय श्रृंखला में पाकिस्तानी टीमों की मेजबानी करेंगी। हालाँकि, यह प्रतिबंध विश्व कप और ओलंपिक जैसे बहुपक्षीय टूर्नामेंटों पर लागू नहीं होता, जहाँ दोनों देश अंतरराष्ट्रीय शासी निकायों के अधिकार क्षेत्र में भाग लेते हैं। ये टूर्नामेंट तटस्थ या तृतीय–पक्ष स्थलों पर आयोजित किए जाते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कोई प्रत्यक्ष द्विपक्षीय व्यवस्था न हो और प्रतिस्पर्धा के लिए राजनीतिक रूप से तटस्थ वातावरण बना रहे। मंत्रालय के एक सूत्र ने पुष्टि की कि एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा आयोजित एशिया कप में भारत को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से नहीं रोका जाएगा। एशिया कप में भारत–पाकिस्तान के बीच 14 और संभवतः 21 सितंबर को दुबई में होने वाले हाई–प्रोफाइल मैच होंगे, जिनका फाइनल 29 सितंबर को होगा। यह टूर्नामेंट अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप से पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप में खेला जाएगा। मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों के प्रति भारत की नई नीति इस दृष्टिकोण को और स्पष्ट किया है। मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान से जुड़े खेल आयोजनों के प्रति भारत का दृष्टिकोण उस देश के साथ व्यवहार में उसकी समग्र नीति को दर्शाता है। एक–दूसरे के देशों में आयोजित होने वाले द्विपक्षीय खेल आयोजनों के संबंध में, भारतीय टीमें पाकिस्तान में प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेंगी, न ही पाकिस्तानी टीमों को भारत में खेलने की अनुमति होगी। हालाँकि, अंतर्राष्ट्रीय और बहुपक्षीय आयोजनों के संबंध में, चाहे वे भारत में आयोजित हों या विदेश में,

भारत अंतर्राष्ट्रीय खेल निकायों की प्रथाओं और अपने खिलाड़ियों के हितों द्वारा निर्देशित होता है। अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए एक विश्वसनीय स्थल के रूप में भारत के उभरने पर विचार करना भी प्रासंगिक है।

एनआर नारायण ने 10 हजार से खड़ी की अरबों की कंपनी एक कमरे से की थी शुरूआत

इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति आज यानी की 20 अगस्त को अपना 79वां जन्मदिन मना रहे हैं। बता दें कि साल 1981 में एनआर नारायण मूर्ति और उनके साथी इंजीनियरों ने इंफोसिस की स्थापना की थी। इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति आज यानी की 20 अगस्त को अपना 79वां जन्मदिन मना रहे हैं। बता दें कि साल 1981 में एनआर नारायण मूर्ति और उनके साथी इंजीनियरों ने इंफोसिस की स्थापना की थी। इस कंपनी की स्थापना में एनआर नारायण मूर्ति की पत्नी सुधा मूर्ति का भी अहम योगदान रहा है। लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि एनआर नारायण के जीवन में एक समय ऐसा भी आया था, जब उन्होंने लगातार 120 घंटे भूख का अनुभव किया था। इस घटना के बाद एनआर नारायण को इंफोसिस का आईडिया आया। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर एनआर नारायण मूर्ति के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में....कर्नाटक के सिदलघट्टा में एक मिडिल क्लास हिंदू परिवार में 20 अगस्त 1946 को एन आर नारायण मूर्ति का जन्म हुआ था। उन्होंने साल 1967 में राष्ट्रीय इंजीनियरिंग संस्थान से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त की। फिर 1969 में आईआईटी कानपुर से मास्टर डिग्री ली।नौकरीइसके बाद उन्होंने नौकरी का रुख किया और साल 1970 में पेरिस में काम करने चले गए। इस दौरान उन्होंने कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया। इसमें से एक प्रोजेक्ट चार्ल्स डी गॉल हवाई अड्डे पर एयर कार्गो हैंडलिंग के लिए ऑपरेटिंग सिस्टम डिजाइन करना शामिल था। इसके बाद वह भारत वापस लौट आए और पुणे की एक कंप्यूटर सिस्टम कंपनी में नौकरी करना शुरूकर दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी कंपनी शुरू करने का फैसला किया, जिसने आगे चलकर देश की आईटी सेक्टर में क्रांति

आरबीआई के निदेशक मंडल ने वैश्विक, घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा की

केंद्रीय निदेशक मंडल की 618वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आरबीआई के कुछ केंद्रीय कार्यालय विभागों और निदेशक मंडल की समितियों एवं लोकपाल योजना के कामकाज की भी समीक्षा की गई।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल ने शुक्रवार को भू–राजनीतिक स्थिति और वित्तीय बाजार की चुनौतियों समेत वैश्विक एवं घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा की।

आरबीआई ने एक बयान में कहा कि गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में यहां केंद्रीय निदेशक मंडल की 618वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आरबीआई के कुछ केंद्रीय कार्यालय विभागों और निदेशक मंडल की समितियों एवं लोकपाल योजना के कामकाज की भी समीक्षा की गई।आरबीआई ने कहा, ''निदेशक मंडल ने कार्यकारी निदेशक इंद्रनील भट्टाचार्य को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का पदेन सदस्य नामितरने को मंजूरी दी।'' बैठक में डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव, टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे और पूनम गुप्ता ने शिरकत की।निदेशक मंडल में शामिल अन्य निदेशक एम नागराजू (सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग), अनुराधा ठाकुर (सचिव,

अब गांव का डाकघर भी होगा स्मार्ट! इंडिया पोस्ट ने शुरू की 5800 करोड़ की नई एडवांस्ड पोस्टल तकनीक

डाक प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित यह प्रणाली सरकार के मेघराज 2.0 क्लाउड पर चलती है और बीएसएनएल की राष्ट्रव्यापी कनेक्टिविटी द्वारा समर्थित है। सिंधिया ने कहा कि यह परियोजना भारतीय डाक को एक विश्वस्तरीय सार्वजनिक रसद संगठन में बदल देगी।भारतीय डाक ने घोषणा की कि उसने आईटी 2.0 उन्नत डाक प्रौद्योगिकी (एपीटी) के राष्ट्रव्यापी शुभारंभ के साथ डिजिटल परिवर्तन के एक नए युग में प्रवेश किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया के मार्गदर्शन में शुरू की गई इस पहल को डिजिटल इंडिया की दिशा में भारतीय डाक की यात्रा में एक मील का पत्थर माना जा रहा है। यह उन्नत डाक प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म देश के 1.65 लाख डाकघरों में से प्रत्येक में तेज, अधिक विश्वसनीय और नागरिक–अनुकूल डाक और वित्तीय सेवाएँ लाने के लिए डिजाइन किया गया है।डाक प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित यह प्रणाली सरकार के मेघराज 2.0 क्लाउड पर चलती है और बीएसएनएल की राष्ट्रव्यापी कनेक्टिविटी द्वारा समर्थित है। सिंधिया ने कहा कि यह परियोजना भारतीय डाक को एक विश्वस्तरीय सार्वजनिक रसद संगठन में बदल देगी। उन्होंने इसे आत्मनिर्भर भारत का एक उदाहरण बताया – जो अत्याधुनिक तकनीकी समाधानों के निर्माण में भारत की आत्मनिर्भरता को दर्शाता है। यह नई प्रणाली कई अगली पीढ़ी की सुविधाएँ प्रदान करती है, जिनमें एकीकृत इंटरफेस, क्यूआर–कोड–आधारित भुगतान, ओटीपी–आधारित डिलीवरी और सटीकता में सुधार के लिए 10–अंकीय अल्फान्यूमेरिक DIGIPIN शामिल हैं।आपको बता दें कि एडवांस पोस्टल टेक्नोलॉजी को आईटी 2.0 प्रोग्राम के तहत 5800 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित किया गया है। इसके बाद आपके गांव का डाकघर अमेजन से भी ज्यादा स्मार्ट हो जाएगा। यह बुकिंग से लेकर डिलीवरी तक, सभी के लिए संपूर्ण डिजिटल समाधान भी प्रस्तुत करता है, जिससे एक खुले नेटवर्क सिस्टम के माध्यम से बेहतर दक्षता और मजबूत ग्रामीण कनेक्टिविटी सुनिश्चित होती है। इसकी शुरुआत चरणबद्ध तरीके से की गई, जिसकी शुरुआत मई–जून 2025 में कर्नाटक डाक सर्कल में एक पायलट प्रोजेक्ट के साथ हुई। प्रारंभिक अनुभवों के साथ प्लेटफॉर्म को और बेहतर बनाने के बाद, इस परियोजना का देशव्यापी विस्तार हुआ और 4 अगस्त तक यह सभी 23 डाक सर्कलों में फैल गई।

आज, डाकघरों, डाक

कार्यालयों और प्रशासनिक इकाइयों सहित 1.70 लाख से ज्यादा कार्यालय APT सिस्टम पर लाइव हैं। इस बदलाव की तैयारी के लिए, इंडिया पोस्ट ने कैस्केड प्रशिक्षण मॉडल के तहत 4.6 लाख से ज्यादा कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया, जिससे हर स्तर पर इसे आसानी से अपनाया जा सके। इस प्रणाली ने एक ही दिन में 32 लाख से ज्यादा बुकिंग और 37 लाख डिलीवरी करके अपनी व्यापकता और विश्वसनीयता साबित कर दी है।

सोनी राजदान और सबा आजाद की सान्स आफ पैराडाइज का ऐलान, कश्मीर की पहली सिंगर पर बेस्ड है फिल्म, मोशन पोस्टर आउट

प्राइम वीडियो के फिल्म सान्स आफ पैराडाइज के प्रीमियर की घोषणा को हो गई है. यह फिल्म पद्मश्री पुरस्कार विजेता राज बेगम की खास कहानी और सफर पर आधारित है. एक्सेल एंटरटेनमेंट के प्रेजेंटेशन में और एप्पल ट्री पिक्चर्स प्रोडक्शन और रेनजू फिल्म्स प्रोडक्शन के प्रोडक्शन में बनी यह कहानी संगीत, हिम्मत और कश्मीर की पहली मशहूर प्लेबैक सिंगर की मजबूत भावना को दिखाती है, जिन्होंने न सिर्फ वहां की महिलाओं को प्रेरित किया बल्कि इंडस्ट्री में एक नई दिशा भी दी.डायरेक्टर दानिश रेनजू द्वारा निर्देशित और उनके साथ निरंजन अयंगर और सुनयना काचरू द्वारा लिखित, सान्स आफ पैराडाइज में शानदार कास्ट है, जिसमें सबा आजाद और सोनी राजदान मुख्य भूमिका में नूर बेगम के रूप में दो अलग–अलग समयों में नजर आएंगी, साथ ही जैन खान दुर्रानी, शीबा चड्ढा, तारुक रैना और लिलेट दुबे भी हैं. घाटी की खूबसूरत पृष्ठभूमि के साथ यह फिल्म हिम्मत, पहचान और साहस को दिखाती है. सान्स आफ पैराडाइज 29 अगस्त को भारत और 200 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर प्रीमियर होगी.मनीष मेंघानी, डायरेक्टर और हेड आफ कंटेंट लाइसेंसिंग, प्राइम वीडियो, इंडिया ने कहा, प्राइम वीडियो में, हम ऐसी कहानियों में विश्वास रखते हैं जो मनोरंजन करें, प्रेरित करें और हमारे दर्शकों से गहरा जुड़ाव बनाएं. उन्होंने आगे कहा, सान्स आफ पैराडाइज एक नई और भावनात्मक कहानी पेश करती है, जो कश्मीर के समृद्ध संगीत परंपरा पर आधारित है और हिम्मत और स्वतंत्रता की कम जानी–पहचानी सच्ची कहानी दिखाती है, जिसमें शानदार अभिनय और विरासत है. हमें खुशी है कि हम इस दिल छू लेने वाली कहानी को एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ अपनी साझेदारी के जरिए 200 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में दर्शकों तक पहुँचा रहे हैं.एक्सेल एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी ने कहा, सान्स आफ पैराडाइज एक ऐसी कहानी है जो कश्मीर की संस्कृति, भावनाओं और उम्मीदों को दिखाती है. यह फिल्म पद्म श्री विजेता नूर बेगम के जीवन के पों को खूबसूरती से खोलती है, जिनकी आवाज ने न केवल कश्मीर को गर्व महसूस कराया बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित किया. हमें दानिश रेनजू के साथ मिलकर इस खास और दमदार कहानी को प्राइम वीडियो के साथ मिलकर पेश करने की खुशी है. प्राइम वीडियो हमारा सच्चा साथी है, जो हमारे विजन को शेयर करता है और हमें इस कहानी को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाने में मदद करता है.

फिल्म के डायरेक्टर और राइटर दानिश रेनजू ने कहा, फिल्म सान्स आफ पैराडाइज, पद्म श्री विजेता राज बेगम को एक दिल से दी गई श्रद्धांजलि है. वह रेडियो कश्मीर की पहली महिला आवाज थीं. यह फिल्म उनकी संगीत, विरासत और हिम्मत से प्रेरित एक भावुक कहानी बताती है, खासकर उस समय की जब समाज ने महिलाओं को भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से बांध रखा था. यह एक ऐसी महिला की कहानी है जिसने सपने देखने की हिम्मत की, जबकि उस समय सपने देखना भी एक तरह से मना था.

सबा आजाद और सोनी राजदान ने इस खास कहानी में मुख्य किरदार को दो अलग–अलग उम्र में बहुत खूबसूरती से निभाया है। इनके साथ–साथ और भी कई कलाकारों ने बेहतरीन काम किया है. प्राइम वीडियो की वजह से अब दुनिया भर के दर्शक उनकी कहानी देख पाएंगे, एक ऐसी कहानी जो सम्मान की हकदार है.

द बैड्स आफ बालीवुड आर्यन खान की सीरीज की स्टार कास्ट, रिलीज डेट और मिस्ट्री कैमियो समेत जानें सब कुछ

बालीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान नेटफ्लिक्स सीरीज द बैड्स आफ बालीवुड के साथ निर्देशन में डेब्यू कर रहे हैं. यह शो इंडस्ट्री की चमक–दमक और गपशप को उजागर करता है. शो का फर्स्ट लुक पहले ही सुर्खियों में छाया हुआ था. ऐसे में शो के प्रीव्यू ने दर्शकों की उत्साह और बढ़ा दी है. प्रीव्यू पुराने जमाने के रोमांस से लेकर एक तीखे, आधुनिक ड्रामा की ओर एक स्टाइलिश बदलाव का संकेत देता है.

इस सीरीज में लक्ष्य और सहर बाम्बा मुख्य भूमिका में हैं. इनके अलावा, सीरीज में बाबी देओल, मोना सिंह, राघव जुयाल, अन्या सिंह, मनोज पाहवा, गौतमी कपूर और रजत बेदी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं.

अपनी पहली फिल्म किल से सबको प्रभावित करने वाले लक्ष्य इस शो में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं. बाबी देओल एक सुपरस्टार की भूमिका निभा रहे हैं.राघव जुयाल, जो किल में लक्ष्य के साथ नजर आए थे, भी इस सीरीज में उनके दोस्त का किरदार निभा रहे हैं. मोना सिंह लक्ष्य की मां की भूमिका निभाएंगी. अन्या सिंह उनकी सीधी–सादी मैनेजर की भूमिका निभाएंगी.

आर्यन खान ने अपने पहले निर्देशन वाली सीरीज को दमदार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़े है. उनके इस शो मे बालीवुड की बड़ी हस्तियां अपनी एक्टिंग का तड़का लगाते हुए दिखेंगी. सलमान खान द बैड्स आफ बालीवुड में कैमियो करने वाले स्टार्स में से एक हैं. करण जौहर भी इस सीरीज में कैमियो रोल निभा रहे हैं. इन दोनों के अलावा रणवीर सिंह भी कैमियो रोल में नजर आएंगे मीडिया रिपोर्ट की मानें तो शाहरुख खान, आमिर खान, रणबीर कपूर समेत अन्य बड़े सितारे इसमें नजर आ सकते हैं.

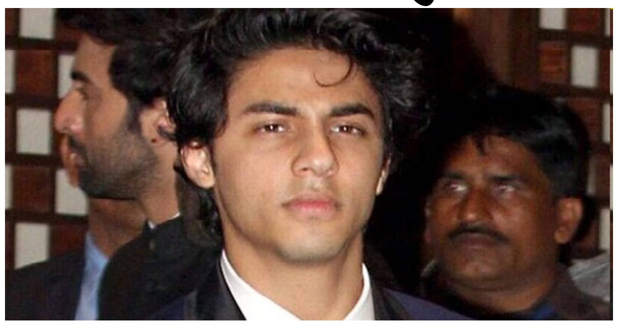

यह शो सिर्फ बालीवुड की चमक–दमक और ग्लैमर दिखाने के बारे में नहीं है, बल्कि उम्मीद है कि यह इंडस्ट्री के डार्क साइड को भी उजागर करेगा, जिसमें पर्दे के पीछे के पावर प्ले भी शामिल हैं.

रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की निर्मित द बैड्स आफ बालीवुड का प्रीमियर 18 सितंबर, 2025 को होगा. इस सीरीज को आर्यन खान ने बिलाल सिद्दीकी और मानव चौहान के साथ मिलकर लिखा और बनाया है, जबकि बोनी जैन और अक्षत वर्मा सह–निर्माता हैं.

द बैड्स आफ बालीवुड का प्रीमियर 18 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर होगा. आर्यन खान की यह सीरीज ब्लैक रैबिट, प्लेटोनिक ब्लू मून होटल और सेम डे विद समवन से टकराएगी. ये सभी 18 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर आ रही हैं।

हर्षवर्धन राणे-सोनम बाजवा की एक दीवाने की दीवानियत का नया पोस्टर जारी, आज रिलीज होगा टीजर?

सनम तेरी कसम फेम एक्टर हर्षवर्धन राणे अब एक और लव स्टोरी लेकर आने वाले हैं। अनाउंसमेंट के बाद से ही उनकी आगामी फिल्म एक दीवाने की दीवानियत को लेकर फैंस उत्साहित हैं। अब फिल्म एक्टर ने फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट साझा किया है। साथ ही फिल्म के टीजर को लेकर भी जानकारी दी है।

हर्षवर्धन राणे ने अपने इंस्टाग्राम पर आज फिल्म से जुड़ा एक नया पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में आग लगी हुई है, जो दिल के आकार में नजर आ रही है। इस जलते हुए दिल के अंदर फिल्म के लीड एक्टर हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा नजर आ रहे हैं। पोस्टर में सोनम बाजवा गुस्से में नजर आ रही हैं, जबकि हर्षवर्धन राणे की आंखों से आंसू बह रहे हैं।

इस पोस्टर के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट और टीजर के सामने आने की तारीख भी मेकर्स ने जारी कर दी है। पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, इस दीवाली दीये ही नहीं, दिल भी जलेंगे। मोहब्बत से टकरायेगी नफरत, आग लगाएगी दीवानों की दीवानियत। इसके साथ ही मेकर्स ने बता दिया है कि एक दीवाने की दीवानियत इस साल दीवाली पर 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जबकि इस रोमांटिक फिल्म का टीजर आज यानी 22 अगस्त को रिलीज किया जाएगा।

रिलीज डेट सामने आते ही ये भी साफ हो गया है कि हर्षवर्धन राणे की टक्कर बाक्स आफिस पर आयुष्मान खुराना के साथ होगी। दरअसल, दीवाली पर ही दिनेश विजन के हारर–कामेडी यूनिवर्स की फिल्म थामा भी रिलीज होने वाली है। ऐसे में अब एक दीवाने की दीवानियत का मुकाबला बाक्स आफिस पर थामा से होने वाला है। हाल ही में थामा का टीजर सामने आया है, जिसे काफी पसंद किया गया है और दर्शक इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित भी हैं। वहीं हर्षवर्धन राणे की फैन फालोइंग और सनम तेरी कसम के बाद उनकी ये अगली रोमांटिक फिल्म है। इसलिए इस फिल्म को लेकर भी लोगों में उत्साह है। ऐसे में संभव है कि इस दीवाली एक रोमांचक बाक्स आफिस क्लैश देखने को मिल सकता है।

रिलीज डेट सामने आते ही ये भी साफ हो गया है कि हर्षवर्धन राणे की टक्कर बाक्स आफिस पर आयुष्मान खुराना के साथ होगी। दरअसल, दीवाली पर ही दिनेश विजन के हारर–कामेडी यूनिवर्स की फिल्म थामा भी रिलीज होने वाली है। ऐसे में अब एक दीवाने की दीवानियत का मुकाबला बाक्स आफिस पर थामा से होने वाला है। हाल ही में थामा का टीजर सामने आया है, जिसे काफी पसंद किया गया है और दर्शक इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित भी हैं।वहीं हर्षवर्धन राणे की फैन फालोइंग और सनम तेरी कसम के बाद उनकी ये अगली रोमांटिक फिल्म है। इसलिए इस फिल्म को लेकर भी लोगों में उत्साह है। ऐसे में संभव है कि इस दीवाली एक रोमांचक बाक्स आफिस क्लैश देखने को मिल सकता है।

मैं जल्दबाजी में नहीं, बस सही प्रोजेक्ट चुनना चाहती हूं – सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर ने अपने

अभिनय करियर की शुरुआत 16 साल की उम्र से की थी। उनका कहना है कि वह सिर्फ व्यस्त रहने या फिर कैलेंडर भरने के लिए काम नहीं करना चाहती बल्कि उन प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहती हैं जो उनको दिल से खुशी दें।

अभिनेत्री का मानना है कि उन प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहिए, जो आपको सच में दिल से या रचनात्मक रूप से संतुष्ट करें।

अभिनेत्री ने कहा, मैंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। इन सालों में मैंने यही सीखा है कि कई प्रोजेक्ट्स पर काम करने से ज्यादा जरूरी है, कि सही प्रोजेक्ट्स पर काम करें। मैं सिर्फ व्यस्त रहने के लिए काम नहीं करना चाहती हैं।

वह कहती हैं, इस समय मैं उन कहानियों पर काम करना चाहती हूं जो मुझे करने में सच में अच्छी लगें, ऐसे किरदार जो मुझे सच में चुनौती दें, और मेरे अंदर के एक कलाकार को अच्छे से निखारें।

सई का मानना है कि प्रोजेक्ट्स में खुद को निखारने, अपनी कला को आजमाने और कुछ अनोखा करने की आजादी मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा, जब आप जुनून के साथ काम करते हैं, तो उसका असर आपके काम पर नजर आने लगता है। मैं जल्दबाजी में कोई भी गलत फैसला नहीं लेना चाहती, इसलिए सही मौके का इंतजार कर रही हूं।

अभिनेत्री ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2012 में मराठी फिल्म काक्षपर्श में खुशी दामले के छोटे से किरदार से की थी। 2019 में उन्होंने सलमान खान के साथ हिंदी एक्शन–कामेडी दबंग 3 में खुशी चौटाला के किरदार से मुख्य अभिनेत्री के रूप में शुरुआत की थी। फिर, साल 2020 में वह आयुष शर्मा के साथ गाने मंझा के म्यूजिक वीडियो में नजर आईं थीं।

2022 में उन्होंने वरुण तेज के साथ तेलुगु फिल्म घनी से तेलुगु सिनेमा में कदम रखा, हालांकि यह फिल्म व्यावसायिक रूप से असफल रही। उसी साल, उन्होंने तेलुगु–हिंदी द्विभाषी बायोपिक मेजर में संदीप उीकृष्णन की प्रेमिका ईशा अग्रवाल का किरदार निभाया। हाल ही में वह गुरु रंधावा के साथ कुछ खट्टा हो जाए में दिखीं।

मेगास्टार चिरंजीवी का फैंस को तोहफा, विश्वंभरा की पहली झलक आई सामने

आज मेगास्टार चिरंजीवी का जन्मदिन है, इससे पहले ही उन्होंने अपने फैंस को खास तोहफा दिया है। फिल्म विश्वंभरा की पहली झलक में उनका अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो सकते हैं।

चिरंजीवी साउथ फिल्मों में अपने एक्शन अंदाज के लिए जाने जाते हैं। फिल्म विश्वंभरा की पहली झलक में भी उनका यही अंदाज देखने को मिला है। इस झलक में एक लड़का और एक बूढ़ा आदमी बातचीत कर रहे हैं। दोनों विश्वंभरा की दुनिया में घटी भयानक घटनाओं पर बात करते हैं। बूढ़ा आदमी एक ऐसे इंसान की बात करता है, जिसके लालच के कारण महाविनाश होता है। उसी मौके पर एक रक्षक सामने आता है। उस रक्षक के तौर पर मेगास्टार चिरंजीवी की एंट्री होती है। एक्शन अंदाज में चिरंजीवी का किरदार बुरे लोगों से लड़ता हुआ नजर आता है।

फिल्म विश्वंभरा के साथ एक टैलेंटेड टीम जुड़ी है। प्रोडक्शन डिजाइन एएस प्रकाश ने किया है। सिनेमैटोग्राफर छोटा के. नायडू हैं। आस्कर विनर एमएम कीरवानी ने फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक तैयार किया है। चिरंजीवी की इस फिल्म में वीएफएक्स का काम यूवी क्रिएशंस ने शानदार तरीके से करवाया है। इस फिल्म में चिरंजीवी के साथ एक्ट्रेस तृषा कृष्णन भी नजर आएंगी। साथ ही आशिका रंगनाथ और कुणाल कपूर भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

फिल्म विश्वंभरा के साथ एक टैलेंटेड टीम जुड़ी है। प्रोडक्शन डिजाइन एएस प्रकाश ने किया

है। सिनेमैटोग्राफर छोटा के. नायडू हैं। आस्कर विनर एमएम कीरवानी ने फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक तैयार किया है। चिरंजीवी की इस फिल्म में वीएफएक्स का काम यूवी क्रिएशंस ने शानदार तरीके से करवाया है। इस फिल्म में चिरंजीवी के साथ एक्ट्रेस तृषा कृष्णन भी नजर आएंगी। साथ ही आशिका रंगनाथ और कुणाल कपूर भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

बाक्स आफिस पर वार 2 की कमाई की रफ्तार धीमी, सातवें दिन का कारोबार रहा सबसे कम

ऋतिक रोशन की फिल्म वार 2 को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक सप्ताह पूरा हो गया है। उनकी यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यानी 14 अगस्त को दर्शकों के बीच आई थी। इस फिल्म से निर्माताओं को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन बाक्स आफिस पर यह उम्मीद के मुताबिक

प्रदर्शन नहीं कर रही है। हर गुजरते दिन के साथ फिल्म का कारोबार घटता जा रहा है। आइए जानें वार 2 ने सातवें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए।

बाक्स आफिस का लेखा–जोखा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, वार 2 ने अपनी रिलीज के सातवें दिन यानी पहले बुधवार को 5.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बाक्स आफिस कलेक्शन 199 करोड़ रुपये हो गया है। 400 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म की कमाई भारत में 200 करोड़ रुपये की ओर है। बता दें कि वार 2 ने दुनियाभर में 298.1 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है।

वार 2 में जूनियर एनटीआर भी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म के जरिए उन्होंने बालीवुड में कदम रखा है। फिल्म में ऋतिक और एनटीआर के बीच जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिल रही है। अभिनेत्री कियारा आडवाणी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। इसमें उनकी जोड़ी ऋतिक के साथ बनी है। वार 2 के निर्देशन की कमान अयान मुखर्जी ने संभाली है, वहीं आदित्य चोपड़ा इस फिल्म के निर्माता हैं। यह यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की छठी फिल्म है।

पुष्पा इंपासिबल के 1000 एपिसोड पूरे, एक्ट्रेस गरिमा परिहार बोलीं, लोगों की कहानियां कहता है ये शो

सब टीवी के फेमस धारावाहिक पुष्पा इंपासिबल ने अपने 1,000 एपिसोड पूरे कर लिए हैं। इस उपलब्धि का पूरी टीम ने जश्न मनाया। टीवी सीरियल के 1,000 एपिसोड पूरे होने पर एक्ट्रेस गरिमा ने कहा, ये सफर बहुत ही खास फील हो रहा है। इसके लिए मैं बहुत ही उत्साहित हूं। मुझे इसके शूट का पहला दिन आज भी याद है। तब हमने नहीं सोचा था कि हम यहां तक पहुंचेंगे। ये माइलस्टोन मेरे लिए भावुक कर देने वाला पल है।

इस शो का दर्शकों के साथ इतना खास कनेक्शन क्यों है? आपको क्या लगता है लोग इससे इतना कैसे जुड़ रहे हैं?

इसका जवाब देते हुए एक्ट्रेस ने कहा, शो कई कहानियां कहता है, जिनसे लोग अपनी रोजमर्रा की जिंदगी से रिलेट कर पाते हैं। उदाहरण के लिए, एक बहू का अपनी सास से दुखी होना, परिवार के लोगों के बीच बंटी जिम्मेदारियां और एक मां का आगे पढ़ाई करने का फैसला। पूरा परिवार कैसे एक–दूसरे को सपोर्ट करता है, ये बहुत ही रियल और दिल जीतने वाला है। इसकी सफलता का सबसे बड़ा राज इसके परिवार के बीच भावनात्मक रिश्ता है, जो शो में साफ दिखाई देता है। पुष्पा की जिंदगी दुखों से भरी है, लेकिन वो और उसकी फैमिली कैसे उनसे साथ में निपटी, यही इसकी खासियत है।

अधिकतर टीवी सीरियल में एक ही कहानी को बढ़ाया जाता है, क्या पुष्पा इंपासिबल इस परिपाटी को तोड़ता है और नई कहानियां कहता है?

इस पर एक्ट्रेस ने कहा, हां इसमें बहुत सारा नया कंटेंट है और दर्शकों की पसंद भी बदली है। इसलिए प्रोड्यूसर और लेखक लगातार ये कोशिश करते रहे हैं कि उन्हें नई कहानी देखने को मिले। जीवन में बदलाव लगातार होते रहते हैं, इसलिए हमारा भी यही उद्देश्य है कि हम दर्शकों की उम्मीदों पर खरे उतरें।

आजकल पुराने शो को नया बनाकर लान्च किया जा रहा है। इस ट्रेंड पर बोलते हुए उन्होंने कहा, मैंने ऐसे शो के कई एपिसोड देखे हैं और मुझे ये पसंद आए। ये पुरानी यादों में खोने जैसा है, और मैं उनको भविष्य के लिए शुभकामनाएं देना चाहती हूं।

बाक्स आफिस पर रजनीकांत की कुली ने सातवें दिन की औसत कमाई, 230 करोड़ रुपये की ओर कारोबार

साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कुली को 14 अगस्त को ऋतिक रोशन की वार 2 के साथ सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। दोनों ही फिल्मों की शुरुआत शानदार रही, लेकिन अब कामकाजी दिनों इनका कारोबार घटता जा रहा है। हालांकि, कुली कमाई के मामले में वार 2 से आगे है। बाक्स आफिस पर कुली का कारोबार तेजी से 230 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रहा है। आइए जानें इस फिल्म ने सातवें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। बाक्स आफिस का ब्योरा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, कुली ने रिलीज के सातवें दिन 6.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस तरह 7 दिन में इस फिल्म ने भारत में 222.5 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। देश में ही नहीं, बल्कि विदेश में भी कुली खूब नोट छाप रही है। इस फिल्म ने दुनियाभर में 418 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है। इस फिल्म का बजट 350 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। कुली में नागार्जुन अक्किनेनी, श्रुति हासन, सौबिन शाहिर, उपेंद्र, सत्यराज और रचिता राम जैसे सितारे भी अहम भूमिका निभा रहे हैं, वहीं आमिर खान और पूजा हेगड़े ने भी फिल्म में कैमियो किया है।

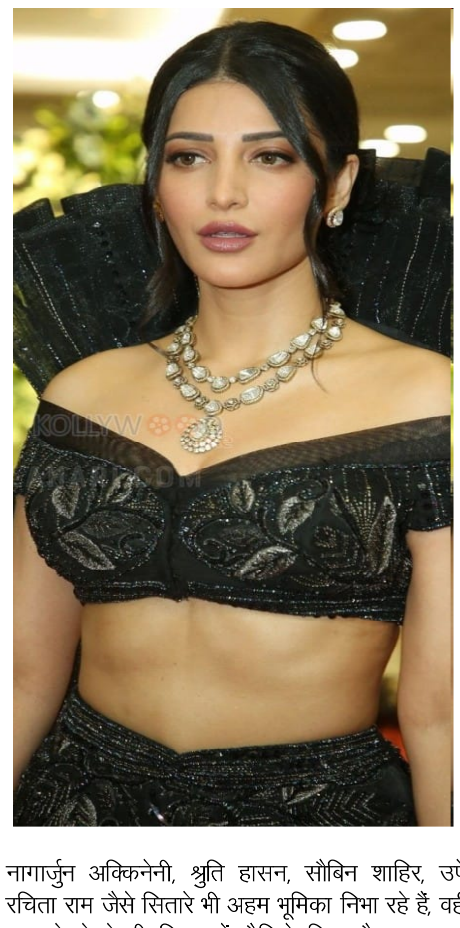

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।